INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update

uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-194 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 8 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

रहीमपुर टाउनशिप को मिलेगी रफ्तार, जमीन जल्द होगी पूरी

राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे बसेगी आधुनिक आवासीय टाउनशिप

होटल, स्कूल और कॉलेज संग मिलेंगी व्यापारिक सुविधाएं

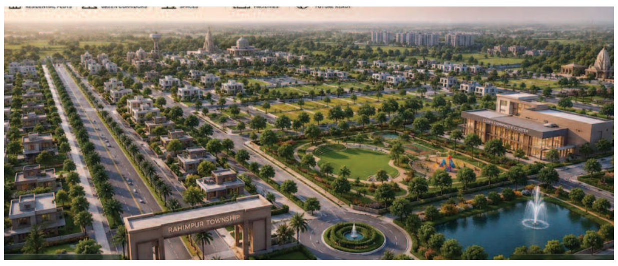

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर मथुरा और फरह के बीच प्रस्तावित रहीमपुर टाउनशिप अब धरातल पर उतरने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने 93 हेक्टेयर में विकसित होने वाली इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए करीब 65 हेक्टेयर भूमि किसानों की सहमति से अधिग्रहित कर ली है। जल्द ही यह आंकड़ा 75 हेक्टेयर तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद प्राधिकरण टाउनशिप को विकसित करने और इसे आम लोगों के लिए शुरू करने की तैयारियां तेज करेगा।

वृंदावन के समीप गोविंद विहार और हनुमत विहार योजनाओं को शुरू करने के बाद प्राधिकरण ने अब दो बड़ी आवासीय योजनाओं पर काम तेज किया है। इनमें छाता क्षेत्र की 117 हेक्टेयर आवासीय योजना और फरह के निकट प्रस्तावित रहीमपुर टाउनशिप शामिल हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधा जुड़ाव होने के कारण रहीमपुर योजना को क्षेत्र के भविष्य के विस्तार के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि छाता योजना के साथ रहीमपुर टाउनशिप को भी जल्द शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होने के साथ यह क्षेत्र पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली के भी निकट है, जिससे इसकी महत्ता और बढ़ जाती है। मथुरा-आगरा के बीच रणनीतिक स्थान पर विकसित होने वाली यह टाउनशिप भविष्य में आवास, कारोबार और सुविधाओं का नया केंद्र बन सकती है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने के साथ योजना को गति मिलने की उम्मीद है।

आवास से कारोबार तक मिलेंगी कई जरूरी सुविधाएं

प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि प्रस्तावित रहीमपुर टाउनशिप में आवासीय और व्यावसायिक भूखंडों के साथ आधुनिक सामुदायिक सुविधाओं का भी प्रावधान किया जाएगा। योजना में होटल, विद्यालय, महाविद्यालय, सामुदायिक केंद्र और खरीदारी परिसर विकसित किए जाने की योजना है। इसके अलावा निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के लिए आवासीय भूखंड उपलब्ध कराए जाएंगे। फार्म हाउस और भंडारण केंद्रों के लिए भी भूमि तय की जाएगी।

राधाष्टमी मेले को लेकर प्रशासन ने तेज की तैयारियां

यूनिक समय, बरसाना। विश्व प्रसिद्ध राधाष्टमी मेले को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 19 सितंबर को होने वाले मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंगलवार को प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने व्यवस्थाओं की समीक्षा की। एडीएम प्रशासन अमरीश कुमार और एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा सहित अन्य तैयारियों पर चर्चा की। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण भी किया।

बरसाना स्थित लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में हुई बैठक में पुलिस, प्रशासन और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, साफ-सफाई, पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने मेले के दौरान आने वाली संभावित भीड़ को देखते हुए व्यवस्थाओं को मजबूत रखने पर जोर दिया।

लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को लेकर सुरक्षा पर जोर

एडीएम और एसपी ग्रामीण ने मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण

बैठक के बाद एडीएम प्रशासन और एसपी ग्रामीण ने अधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रमुख मार्गों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और पार्किंग स्थलों की स्थिति देखी। संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन के अनुसार, राधाष्टमी पर्व पर बरसाना में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था के साथ श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। मेले को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

अब 25 दिन बाद बुक करा सकेंगे एलपीजी सिलेंडर

ग्रामीण उपभोक्ताओं को 45 दिन के इंतजार से मिली राहत

यूनिक समय, मथुरा। घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। अब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को अगला गैस सिलेंडर बुक कराने के लिए अलग-अलग अवधि का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सात सितंबर को जारी निर्देशों में सभी घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए रिफिल बुकिंग का अंतराल समान रूप से 25 दिन निर्धारित कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत उपभोक्ता पिछली रिफिल बुकिंग के 25 दिन पूरे होने के बाद अगला सिलेंडर बुक करा सकेंगे। इससे खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, जिन्हें अब तक अगली रिफिल बुकिंग के लिए 45 दिन तक इंतजार करना पड़ता था। जिला पूर्ति अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि जिले के सभी एलपीजी वितरकों और विक्रय अधिकारियों को नई व्यवस्था का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्धारित मूल्य पर ही गैस रिफिल उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही वितरकों को उपभोक्ताओं के घर तक सिलेंडर पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। नई व्यवस्था लागू होने से उपभोक्ताओं को जरूरत के अनुसार समय पर रिफिल मिल सकेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे अंतराल की समस्या भी दूर होगी।

देशभर से आए चित्रकार उकेर रहे ब्रज की भक्ति और संस्कृति

चित्रकारों की तूलिका से जीवंत हुआ कृष्णमय वृंदावन

मंगलवार को कैनवास पर श्रीकृष्ण से जुड़े चित्रों को उकेरते कलाकार।

यूनिक समय, मथुरा। बांकेबिहारी की नगरी वृंदावन में इन दिनों कैनवास पर ब्रज की भक्ति, प्रेम और संस्कृति के रंग जीवंत हो रहे हैं। विभिन्न राज्यों से आए प्रख्यात चित्रकार रंग और तूलिका के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, राधा-कृष्ण के प्रेम और ब्रज की आध्यात्मिक विरासत को चित्रों का रूप दे रहे हैं। कलाकारों को सामने बैठकर चित्र बनाते देखने के लिए स्थानीय लोगों के साथ कला प्रेमी भी गीता शोध संस्थान पहुंच रहे हैं।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के तत्वावधान में वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय श्रीकृष्ण राष्ट्रीय कला कार्यशाला का मंगलवार को दूसरा दिन रहा।

कार्यशाला में विभिन्न प्रदेशों से आए करीब 20 चित्रकार अपनी विशिष्ट कला शैलियों में श्रीकृष्ण की लीलाओं को कैनवास पर उकेर रहे हैं। किसी चित्र में राधा-कृष्ण के प्रेम की भावनाएं नजर आ रही हैं तो कहीं बाल कृष्ण की लीलाओं और ब्रज के प्राकृतिक सौंदर्य को रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त किया जा रहा है।

कलाकारों को प्रत्यक्ष रूप से चित्रों को आकार देते देखना दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। कला प्रेमी कलाकारों से उनकी चित्रकला की शैली और चित्रों की विषय-वस्तु के बारे में जानकारी भी ले रहे हैं। इससे कार्यशाला कला और संस्कृति के संवाद का केंद्र बन गई है।

कार्यशाला में पद्मश्री शांति देवी सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए चित्रकार भाग ले रहे हैं। इनमें इंदौर की डॉ. अलका झा, नाथद्वारा की डॉ. बंदना जोशी, अलीगढ़ की डॉ. पूनम रानी, दिल्ली की नीतिक्षा डावर और सुमित्रा अहलावत, गाजियाबाद की डॉ. खुशबू

कलाकारों की सृजन प्रक्रिया देखने उमड़ रहे कला प्रेमी

उपाध्याय, लखनऊ की नेहा और विनोद कुमार सिंह, चंडीगढ़ की मनजीत कौर, पटना की सोमा आनंद और विनीता सिंह, जयपुर की विनीता शर्मा, उज्जैन की सुमन डोंगरे और जयेश त्रिवेदी, मेरठ के प्रिंस राज सहित अन्य कलाकार शामिल हैं। ललित कला अकादमी आगरा के निदेशक डॉ. मनोज कुमार सिंह भी कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे हैं।

संयोजक-गीता शोध संस्थान के समन्वयक सीपी सिंह ने बताया कि अधिकांश चित्रों का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। नौ सितंबर को कलाकारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे, जबकि 10 सितंबर से चित्रों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

दिनदहाड़े पति ने चुन्नी से गला घोंटकर पत्नी को मार डाला

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार क्षेत्र की जमुना बिहार कॉलोनी में मंगलवार दोपहर पति ने विवाद के बाद अपनी पत्नी की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या कर दी। दिनदहाड़े हुई वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फील्ड यूनिट को बुलाया।

जमुना बिहार कॉलोनी निवासी जगदेव का मंगलवार को किसी बात को लेकर पत्नी पूजा से विवाद हो गया। बताया गया है कि विवाद बढ़ने पर जगदेव ने गुस्से में पत्नी की चुन्नी से उसका गला घोंट दिया। इससे महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी आसपास के लोगों को हुई तो मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। दिनदहाड़े महिला की हत्या से कॉलोनी में दहशत का माहौल बन गया। सूचना

घटना से कॉलोनी में फैली सनसनी

मिलने पर थाना यमुनापार पुलिस के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों के निर्देश पर फील्ड यूनिट ने मौके से जरूरी नमूने और साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार बताया जा रहा है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। आसपास के लोगों से भी घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। एसपी ग्रामीण सुरेशचंद रावत ने बताया कि यमुना बिहार कॉलोनी में महिला की उसके पति द्वारा चुन्नी से गला घोंटकर हत्या किए जाने की सूचना मिली है। मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

लापरवाही की आग, सरकारी सिस्टम पर उठ रहे हैं सवाल

यूनिक समय, मथुरा। शहर में आग की घटनाएं सिर्फ संपत्ति नहीं जला रहीं, बल्कि अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की हकीकत भी सामने ला रही हैं। सोमवार शाम बीएसए मार्ग स्थित फोम फर्नीचर की दुकान में लगी आग इसका ताजा उदाहरण है। इससे पहले माहेश्वरी अस्पताल के समीप इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के गोदाम में आग लगी थी। हर हादसे के बाद अग्निशमन विभाग और प्रशासन सक्रिय होता है, निरीक्षण होते हैं, कार्रवाई की बात होती है, लेकिन कुछ समय बाद वही ढर्रा लौट आता है। जिले में बीते पांच वर्षों के दौरान हुई आग की घटनाओं पर नजर डालें तो तस्वीर कभी बदलती नजर नहीं आती है। 2022 में रेल गोदाम में आग लगी। 2023 में छटीकरा–वृंदावन मार्ग की दुकान, मुखराई मोड़ की अस्थायी दुकानें और राया का पटाखा बाजार आग की चपेट में आया। 2024 में वाटर वर्क्स परिसर के पाइप गोदाम और राया की सब्जी मंडी समेत कई प्रतिष्ठानों में आग ने करोड़ों का नुकसान किया। 2025 में भी गोदामों और दुकानों में आग की घटनाएं सामने आती रहीं। अब 2026 में फोम फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक गोदाम की घटनाएं उसी लापरवाही की अगली कड़ी हैं।

हादसे के बाद जागता है प्रशासन, नियमित जांच से पहले रोकना होगा खतरा

प्रश्न यह है कि आग लगने से पहले जांच क्यों नहीं होती? व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फायर एक्सटिंग्विशर, सुरक्षित विद्युत वायरिंग, आपात निकास और ज्वलनशील सामग्री के सुरक्षित भंडारण जैसे बुनियादी इंतजाम कितने प्रभावी हैं, इसकी नियमित जांच जरूरी है। हादसे के बाद कारण तलाशने से बेहतर है कि जोखिम को पहले ही चिन्हित कर खत्म किया जाए।

जिम्मेदारी केवल सरकारी तंत्र की नहीं है। कारोबारी भी सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर खतरा बढ़ाते हैं। जानकारों के अनुसार, भवन में निर्धारित अग्नि सुरक्षा मानक पूरे करने की लागत नुकसान की तुलना में मामूली होती है। इसके बावजूद कागजी खानापूर्ति या जिम्मेदारों को प्रभावित कर नियमों से बच निकलने की प्रवृत्ति व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। आग की हर घटना के बाद नुकसान का आंकलन और कार्रवाई आसान है, लेकिन हादसे से पहले जिम्मेदारी तय करना ही असली परीक्षा है। लोगों का कहना है कि अभियान नहीं, ऐसी स्थायी व्यवस्था चाहिए जिसमें निरीक्षण नियमित हो, नियमों का पालन अनिवार्य हो और लापरवाही पर कार्रवाई हादसे के बाद नहीं, उससे पहले हो।

रंगेश्वर महादेव की भस्म आरती में उमड़ा आस्था का सैलाब

वर्ष में एक बार होने वाली आरती के दर्शन को जुटे श्रद्धालु

महारुद्राभिषेक, रुद्र यज्ञ और दिव्य अघोरी श्रृंगार बना आकर्षण

यूनिक समय, मथुरा। श्री रंगेश्वर महादेव मंदिर में वर्ष में एक बार होने वाली दिव्य भस्म आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। विशेष आयोजन को लेकर मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया। यहां तैयार किया गया भूत बंगला श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा।

आयोजन की शुरुआत सोमवार प्रातः भगवान श्री रंगेश्वर महादेव के महारुद्राभिषेक से हुई। इसके बाद रुद्र यज्ञ, दिव्य अघोरी श्रृंगार दर्शन और भगवान शिव का शस्त्रार्चन किया गया। विशेष कार्यक्रम के तहत काली तांडव नृत्य की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रात्रि 12 बजे भगवान रंगेश्वर महादेव की विशेष भस्म आरती हुई। वर्ष में केवल एक बार होने वाली इस आरती के दर्शन के लिए शाम से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। बड़ी संख्या में भक्तों ने बाबा के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पूजा–अर्चना की। मंदिर के पुजारी नीरज गोस्वामी और विजय गोस्वामी ने बताया कि दूर–दराज से श्रद्धालु भस्म आरती के दर्शन के लिए पहुंचे।

श्रृंगार के बाद रंगेश्वर महादेव।

पूरा मंदिर परिसर हर–हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति और आस्था के साथ भगवान शिव का पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

सदभावना ब्लड बैंक ने लगाया रक्तदान शिविर

यूनिक समय, मथुरा। श्री बाबूलाल महाविद्यालय गोवर्धन में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। उद्घाटन कालेज के प्राचार्य डॉ. लिवेश कुलश्रेष्ठ ने किया। कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट नंद किशोर शर्मा ने स्वैच्छिक रक्तदान कर बताया कि समय- समय पर रक्तदान करना चाहिए, ऐसा करने से दूसरे जरूरतमंद आदमी को जीवनदान मिलता है। रक्तदान शिविर में डॉ योगेश,मधु, शिवकुमार, मोहित मोहिनी, मनीष अंकित, चंद्रशेखर, मोनू, गीतांजलि किशोरी, भक्ति शर्मा, मुकेश, खुशी, धीरज कौशिक, रामकुमार, विनय, आकाश, अंजलि ब्रजबाला आदि ने रक्तदान किया। सद्भावना, ब्लड बैंक से मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रदीप पारसर, डॉ. भूदेव सिंह, डायरेक्टर संजीव सारस्वत, तरुण, सुशील, रिंकू, सौरभ, धर्मेंद्र आदि का सहयोग रहा।

ई–केवाईसी के बाद ही पात्रता सूची में जुड़ेंगे नए राशन कार्ड

यूनिक समय, मथुरा। राशन कार्ड बनवाने या उसमें नए सदस्य का नाम जुड़वाने वाले लोगों के लिए शासन ने प्रक्रिया में बदलाव किया है। अब नया राशन कार्ड अथवा नई यूनिट स्वीकृत होने के बाद सीधे पात्रता सूची में शामिल नहीं होगी। इसके लिए संबंधित परिवार के पात्र सदस्यों की ई–केवाईसी पूरी होना अनिवार्य कर दिया गया है।

नई व्यवस्था के तहत पूर्ति निरीक्षक के डिजिटल हस्ताक्षर के बाद स्वीकृत आवेदन को पहले प्रारूप राशन कार्ड सूची में रखा जाएगा। इसके बाद संबंधित परिवार के सदस्यों की ई–केवाईसी कराई जाएगी। ई–केवाईसी पूरी होने के बाद ही नए राशन कार्ड अथवा जोड़ी गई यूनिट का नाम पात्रता सूची में प्रदर्शित होगा।

आवेदन स्वीकृति के बाद पहले तैयार होगी प्रारूप राशन कार्ड सूची

जिला पूर्ति अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि प्रारूप सूची में राशन कार्ड या नई यूनिट शामिल होने के बाद आवेदक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर संदेश भेजकर इसकी जानकारी दी जाएगी। संदेश में परिवार के नए सदस्यों की ई–केवाईसी कराने की सूचना भी दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रारूप राशन कार्ड में शामिल सभी सदस्यों को किसी भी नजदीकी उचित दर विक्रेता की दुकान पर जाकर ई–केवाईसी करानी होगी। जिन सदस्यों की ई–केवाईसी पूरी नहीं होगी, उनका नाम पात्रता सूची में प्रदर्शित नहीं किया जाएगा। विभागीय लॉगिन पर प्रारूप राशन कार्ड की सूची उपलब्ध रहेगी। इसमें प्रत्येक यूनिट की ई–केवाईसी की स्थिति भी अलग से दिखाई देगी। ई–केवाईसी से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण की व्यवस्था भी इसी सूची के माध्यम से की जाएगी।

सीएटीसी–48 ड्रोन प्रशिक्षण शिविर का समापन

ड्रोन प्रशिक्षण और प्रतियोगिता शिविर का समापन होने पर ग्रुप के साथ एनसीसी कैडेट्स और अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। 11 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित सीएटीसी–48 ड्रोन प्रशिक्षण और प्रतियोगिता शिविर का समापन अनुशासन, तकनीकी दक्षता और राष्ट्रसेवा के संकल्प के साथ हुआ। शिविर में एनसीसी कैडेट्स को ड्रोन तकनीक की मूलभूत जानकारी से लेकर फंडामेंटल्स ऑफ फ्लाइट, ड्रोन असेंबली, डिसअसेंबली, फॉल्ट फाइंडिंग, तकनीकी परीक्षण, संचालन और उड़ान कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर का सफल संचालन कैंप कमांडेंट कर्नल विक्रांत त्यागी के नेतृत्व-निर्देशन में हुआ। कैडेट्स ने स्वयं ड्रोन के विभिन्न पुर्जों को जोड़कर ड्रोन तैयार किया और उसकी तकनीकी संरचना और कार्यप्रणाली को समझा। प्रशिक्षण के दौरान ड्रोन इंस्ट्रक्टर अनुज कुशवाह, ड्रोन पायलट अंजली यादव और ड्रोन पायलट प्राची ने कैडेट्स को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया। ट्रेनिंग ऑफिसर हुकुम सिंह प्रजापति ने प्रशिक्षण गतिविधियों के समन्वय और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर के दौरान अलीगढ़ ग्रुप मुख्यालय के ट्रेनिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल विश्वनाथ ने प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। समापन समारोह में कैडेट्स ने प्रशिक्षण को अपने लिए महत्वपूर्ण अनुभव बताया।

कैडेट्स ने तकनीक को करियर से जोड़ने का लिया संकल्प

कैडेट सोनम ने कहा कि प्रशिक्षण ने ड्रोन को केवल उड़ाने की तकनीक के बजाय उसके निर्माण और तकनीकी पहलुओं को समझने का अवसर दिया। कैडेट अंशु रैला ने बताया कि स्वयं ड्रोन के पार्ट्स जोड़कर तैयार करने से आत्मविश्वास बढ़ा। कैडेट आदित्य चतुर्वेदी ने कहा कि प्रशिक्षण से ड्रोन और एविएशन तकनीक में आगे करियर बनाने की प्रेरणा मिली।

छाता शुगर मिल चालू कराने को किसानों का आंदोलन तेज

छाता शुगर मिल चालू कराने की मांग को लेकर बैलगाड़ी पर सवार ग्रामीण।

मंगलवार को आंदोलन के दौरान गन्ना लेकर पहुंचे किसान।

यूनिक समय, मथुरा। छाता की बंद पड़ी शुगर मिल को दोबारा चालू कराने की मांग को लेकर धरना लगातार जारी है। आंदोलन में किसान, महिलाएं, युवा, बच्चे और पूर्व सैनिक बढ़–चढ़कर भाग ले रहे हैं। छाता कस्बे और आसपास के गांवों से लोग बैलगाड़ियों और ट्रैक्टरों से धरना स्थल पर पहुंच रहे हैं। ग्राम दद्दीगढ़ी से किसान गन्ना लेकर पहुंचे और मिल संचालन की मांग उठाई। रात में धरना स्थल पर भजन–कीर्तन और लोकगीतों के माध्यम से भी आंदोलन को गति दी जा रही है। भूतपूर्व सैनिक परिषद के अध्यक्ष सूबेदार ललित कर्मयोगी ने कहा कि आंदोलन का मुख्य उद्देश्य छाता शुगर मिल को जल्द दोबारा संचालित कराना है। आंदोलनकारियों का कहना है कि मिल शुरू होने से किसानों को गन्ने का बेहतर बाजार मिलने के साथ क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। उन्होंने मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही। आंदोलन के दौरान गन्ना मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण की ओर से छाता में दोहरे एथनॉल संयंत्र और शुगर मिल–बिजली संयंत्र लगाने की घोषणा का भी उल्लेख किया गया। आंदोलनकारियों ने इन परियोजनाओं की प्रक्रिया जल्द शुरू कराने की मांग की। साथ ही बंद मिलों और उद्योगों को शुरू कराने के लिए प्रदेशव्यापी अभियान चलाने की बात कही।

बैलगाड़ियों, ट्रैक्टरों संग धरने में पहुंचे किसान और बच्चे

देवी जागरण से लौट रहे गायक की सड़क हादसे में मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव क्षेत्र में बीती रात सड़क हादसे में देवी जागरण के चर्चित गायक की मौत हो गई। बरौली के समीप कंजौली घाट के पास किसी अज्ञात वाहन ने बाइक सवार गायक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल गायक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं जागरण प्रेमियों और देवी भक्तों में शोक की लहर दौड़ गई।

आगरा के मिढ़ापुर निवासी रिंकू उर्फ रजवाड़ा (28) पुत्र गोपाल देवी जागरण कार्यक्रमों में देवी के भजनों की प्रस्तुति देते थे। बताया गया कि

रिंकू उर्फ रजवाड़ा का फाइल फोटो।

सोमवार रात वह बल्देव क्षेत्र में आयोजित देवी जागरण में शामिल हुए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह बाइक से उत्तरी बाइपास होकर अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह

जागरण के बाद बाइक से घर लौटते समय हुआ हादसा, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

जागरण प्रेमियों और देवी भक्तों में शोक की लहर

कंजौली घाट के समीप पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि रिंकू सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई।

पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को मृतक की जेब से आधार कार्ड मिला, जिसके आधार पर उसकी पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को हादसे की सूचना दी। रिंकू की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। देवी जागरण के क्षेत्र में उनकी पहचान के चलते बड़ी संख्या में परिचितों और भक्तों ने घटना पर दुख जताया।

रेडियोलोजी के छात्र ने फांसी लगाई

यूनिक समय, मथुरा। छाता कस्बे में रेडियोलोजी के एक छात्र ने बीती रात किराए के कमरे फांसी लगाकर आत्महत्या करली। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं लग सका है। वहीं, ससुराल आए एक युवक ने खेत पर फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। युवक का पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

गांव बहादुरपुर थाना सिरसागंज जनपद फिरोजाबाद निवासी सरनाम सिंह का बेटा हेमंत कुमार(21) मथुरा के एक विश्वविद्यालय में रेडियोलोजी में पढ़ रहा था। पढ़ाई करने के लिए उसने छाता में एक किराए का कमरा ले रखा था। परिवार के लोगों का कहना है कि चार दिन पहले वह घर से कालेज पढ़ने के लिए आया था। परिवार के साथ फोन पर उसकी अच्छी तरह बात चीत होती थी। कल रात उसने कमरे में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इस बारे में परिवार के लोगों को जानकारी दी थी। परिवार के लोगों ने बताया कि वह कालेज भी गए थे। उसके घर से आने के बाद कालेज में पूरी हाजिरी लगी हुई हैं। उसने आत्महत्या किस कारण की, इसकी वजह समझ में नहीं आ रही है।

पत्नी से विवाद में पति फांसी पर झूला

परिवार के लोगों को इस बात की आशंका है कि कहीं किसी ने उसे धमकी तो नहीं दी, जिसके चलते उसने इस तरह की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं, गांव मियामतपुर जनपद फर्रूखाबाद निवासी ज्ञान सिंह की छटीकरा में ससुराल है। उसकी पत्नी मायके में थी। बताया गया कि वह एक महीना पहले अपनी ससुराल आया था। यहां रहकर वह मजदूरी कर रहा था। बीती रात उसकी किसी बात को लेकर पत्नी से कहासुनी हो गई। इसके बाद उसने जमकर शराब का सेवन किया और वह घर नहीं लौटा। परिवार के लोगों ने सोचा आ जाएगा,लेकिन वह घर नहीं लौटा और खेत पर जिंदल फैक्ट्री के पीछ उसने फांसी लगा कर आत्महत्या करली। आत्महत्या किए जाने का पता लगने पर ससुरीलीजनों में हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ड्यूटी पर जाते होमगार्ड की बाइक फिसलने से मौत

यूनिक समय, मथुरा। सीओ सिटी के आवास पर ड्यूटी के लिए जाते होमगार्ड की बाइक फिसल गई। हादसे में होमगार्ड गंभीर घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

थाना रिफाइनरी के गांव नगला पौहपी निवासी होमगार्ड सुनहरी लाल(50) की सीओ सिटी आवास पर सुरक्षा ड्यूटी थी। बताया गया कि वह कल सायं बाइक से गांव से ड्यूटी के लिए आ रहा था। रास्ते में गांव के समीप ही उसकी बाइक अचानक फिसल गई। बाइक से होमगार्ड सड़क पर सिर के बल गिरा, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। परिवार के लोगों को जैसे ही दुर्घटना का पता लगा तो सभी तुरंत मौके पर पहुंच गए। घायल सुनहरी लाल को तुरंत स्वर्ण जंयती हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां हालत में सुधार न होने पर दूसरे अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद उन्हें वहां से केडी हॉस्पिटल ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान होमगार्ड की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। होमगार्ड की मौत का पता लगने पर होमगार्डस के अधिकारी पोस्टमार्टम गृह पर पहुंच गए। सुनहरी लाल की मौत से परिवार के लोग गहरे सदमे में हैं।

डिवायडर से टकराई अनियंत्रित बाइक, दो युवकों की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र स्थित धौरेरा के समीप बीती रात परिक्रमा करने के बाद लौट रहे दो बाइक सवारों की बाइक डिवायडर से टकरा गई। दुर्घटना में दोनों युवकों की मौत हो गई। बताया गया कि थाना यमुनापार की रोशन बिहार कॉलोनी में रहने वाला युवक गौरव गुप्ता (21) पुत्र मनीष गुप्ता अपने साथी रवि गुप्ता (26)पुत्र रमेश गुप्ता निवासी लोहबन बगीजी थाना यमुना पार के साथ बीती रात परिक्रमा करने के लिए बाइक से गए थे। परिक्रमा करने के बाद लौटते

परिक्रमा कर लौटते समय बीती रात हुआ हादसा

समय उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे डिवायडर से टकरा गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी को दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना में हुई दोनों युवकों की मौत से परिवार में मातम का माहौल है।

गोपालखार में युवक से मारपीट, सिर में आई गंभीर चोट

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली थाना क्षेत्र में गोपाल खार के पास युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना पांच सितंबर की शाम करीब 6:30 बजे की बताई गई है। कोतवाली में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, नितिन कुमार निवासी श्याम कुटी, मोहिनी नगर कोचिंग से लौट रहे थे। गोपाल खार पर पानी पूरी खाने के लिए रुकने के दौरान वहां मौजूद लोगों से कहासुनी हो गई। आरोप है कि रिंकू निवासी राजपुर थाना जैंत ने नितिन के साथ गाली–गलौज शुरू कर दी। इसके बाद रिंकू और गिरधर गोपाल निवासी राजपुर ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान नितिन के सिर में चोट आई। साथ ही आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के बाद नितिन के साथियों ने उसे उपचार के लिए डॉक्टर के पास पहुंचाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला से छेड़छाड़ और मारपीट सात लोगों के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक महिला ने सात लोगों पर छेड़छाड़, मारपीट, अभद्रता और धमकी देने के आरोप लगाए हैं।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अंतापाड़ा की रहने वाली नंदनी ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 अगस्त की रात करीब 10 बजे वह मंदिर की ओर जा रही थीं। आरोप है कि रास्ते में एक व्यक्ति ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। महिला द्वारा विरोध करने और शिकायत करने पर आरोपित पक्ष के अन्य लोग भी उनके घर में घुस आए और उनके साथ मारपीट की। महिला ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान उनके साथ अभद्रता की गई, शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने जित्तु, गोविन्द, सरीन, कान्हा, टन्ना, नेहा और आरती के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जहरखुरानी कर ई–रिक्शा चालक को लूटा

यूनिक समय, मथुरा। शहर में जहरखुरानी का मामला सामने आया है। सवारियों ने ई–रिक्शा चालक को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। इसके बाद चालक बेहोश हो गया। आरोप है कि सवारियां उसका ई–रिक्शा, मोबाइल फोन और नकदी लेकर फरार हो गईं।

पीड़ित विपिन कुमार के अनुसार घटना पांच सितंबर की है। वह मंडी चौराहे से दो सवारियों को बालाजीपुरम छोड़ने जा रहा था। बालाजीपुरम के समीप सवारियों ने उसे कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए दी। पेय पदार्थ पीने के कुछ देर बाद उसकी हालत बिगड़ गई और

बेहोशी की हालत में ई–रिक्शा, मोबाइल और नकदी ले गए

वह बेहोश हो गया। वह आगरा की ओर जाने वाले सिकंदरा मार्ग पर अचेत अवस्था में मिला।

होश आने पर उसने दोस्त को फोन किया। इसके बाद एंबुलेंस से उसे मथुरा लाया गया। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस को सूचना देने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। उसने उच्चाधिकारियों से आरोपियों की गिरफ्तारी और सामान बरामद कराने की मांग की है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों का किया सम्मान

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सम्मानित करते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

डीएम ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिले प्रमाणपत्र और नियुक्ति पत्र

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम के क्रम में कलेक्ट्रेट में भी कार्यक्रम हुआ। सभागार में अयोध्या में हुए इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा गया।

कार्यक्रम के दौरान डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने आंगनबाड़ी कार्यककर्ताओं को साड़ी बांटी, जबकि विभागीय कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। जनपद की विभिन्न तहसीलों में आयोजित कार्यक्रमों में गोवर्धन, छाता, महावन और मांट सहित अन्य क्षेत्रों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों ने सहभागिता की। कई कार्यकर्ताओं को उनके बेहतर कार्य के लिए प्रमाण–पत्र, सम्मान प्रदान किया गया। सभागार में हुए कार्यक्रम में उन बच्चों के माता–पिता को भी सम्मानित किया गया, जिनके बच्चों ने निर्धारित अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र और साड़ी वितरित की गई। महिला कल्याण विभाग की ओर से निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों को भी सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने विभिन्न सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देते हुए लाभार्थियों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ सीडीओ डा. पूजा गुप्ता, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारियों सहित विभागीय अधिकारी- कर्मचारी मौजूद रहे।

जेसीआई मथुरा कालिंदी ने कराई वाद–विवाद प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में पुरस्कृत छात्राओं के साथ जेसीआई मथुरा कालिंदी की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा कालिंदी की ओर से जेसी सप्ताह के दूसरे दिन युवा नेतृत्व और अभिव्यक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में अध्यक्ष चेतना बंसल, सचिव किरण, कोषाध्यक्ष रूपाली गर्ग, रजनी मालपानी, ललिता अग्रवाल और गुंजन अग्रवाल प्रमुख रूप से मौजूद रहीं। प्रतियोगिता के आयोजन में विद्यालय के प्रधानाचार्य अंकित खंडेलवाल का विशेष सहयोग रहा।

मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली क्षेत्र स्थित कृष्णा हाइट्स से मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। सुखदेव निवासी धौरेरा बांगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 26 अगस्त को सुबह करीब आठ बजे काम से कृष्णा हाइट्स गया था। मोटरसाइकिल गेट के पास खड़ी कर दी, करीब दस मिनट बाद वापस लौटने पर मोटरसाइकिल मौके से गायब मिली। आसपास काफी तलाश करने के बावजूद वाहन का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सत्य निकेतन हादसे पर एनएसयूआई का प्रदर्शन

सत्य निकेतन प्रकरण के दोषियों पर कार्रवाई की मांग को प्रदर्शन करते एनएसयूआई कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए इमारत हादसे के विरोध में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और छात्रों ने बीएसए कॉलेज के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हादसे की उच्चस्तरीय-निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान मृतकों को श्रद्धांजलि देकर उनके परिजनों के प्रति संवेदना जताई गई।

एनएसयूआई कार्यकर्ता हर्ष चौरसिया ने कहा कि छात्रों और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रशासन को जर्जर भवनों की पहले से पहचान कर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।छात्रा परी कुमारी ने कहा कि स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों के भवनों की नियमित सुरक्षा जांच जरूरी है। कमी मिलने पर भवन खाली कराकर तत्काल मरम्मत या आवश्यक कार्रवाई हो। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर देशभर में जर्जर भवनों का सर्वे, निर्माण में सुरक्षा मानकों का पालन और लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई की मांग की।

युवा नेतृत्व संवाद प्रश्नोत्तरी में भाग लें छात्र–छात्राएं

माय भारत पोर्टल पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

30 सितंबर तक 15 से 29 वर्ष के युवा कर सकेंगे आवेदन

चयनित प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगा अवसर

यूनिक समय, मथुरा। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के तहत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से माय भारत पोर्टल पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना और एनसीसी के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर प्रमाण पत्र भी प्राप्त किए।

प्रतियोगिता में 15 से 29 वर्ष की आयु के युवा हिस्सा ले सकते हैं। प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण अथवा प्रवेश कर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग प्रश्नोत्तरी का चयन करना होगा और प्रश्नोत्तरी पूरी कर जमा करनी होगी। इसमें भाग लेने की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। प्रश्नोत्तरी में चयनित प्रतिभागियों को आगे निबंध लेखन, चयनित निबंधों की प्रस्तुति और राज्य स्तरीय चरण में शामिल होने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तर पर चयनित युवाओं को राष्ट्रीय स्तर के विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में भाग लेने का मौका मिलेगा। राष्ट्रीय कार्यक्रम जनवरी में भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रस्तावित है। जिला युवा अधिकारी अमित कुमार ने युवाओं और विद्यार्थियों से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की। प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल, एनएसएस जिला नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार कौशिक, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नवीन अग्रवाल और एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल कौशिक ने विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने का संकल्प लिया।

गांजा रखने पर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। हाइवे पुलिस टीम ने बालाजीपुरम से ईगल ग्राउंड की ओर जाने वाले रास्ते से अभियुक्त राकेश निवासी सरोज बिहार बालाजीपुरम हाइवे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2070 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।

कोसी को मिलेगा भव्य इनडोर स्टेडियम

मंगलवार को स्टेडियम में काम करते श्रमिक।

1.35 करोड़ रुपये से सजेगा रामलीला परिसर

करीब 15 दिन में बनकर तैयार होगा स्टेडियम

तीन शेड, रेड स्टोन और विक्टोरिया लाइट से बदलेगी सूरत

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर पालिका इस बार रामलीला के इतिहास में नया अध्याय जोड़ने जा रही है। नगर के रामलीला मैदान को एक करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से भव्य इनडोर स्टेडियम के रूप में विकसित किया जा रहा है।नगर पालिका चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने बताया कि रामलीला मैदान में चल रहा निर्माण कार्य युद्धस्तर पर है और करीब 15 दिन के अंदर पूरे स्टेडियम को बनाकर तैयार कर दिया जाएगा, ताकि इस बार की रामलीला भव्य रूप में इसी नए स्टेडियम में हो सके।

उन्होंने बताया कि स्टेडियम में दोनों तरफ सीढ़ीदार पक्के बैठने के स्थान बनाए जा रहे हैं। दर्शकों को धूप और बारिश से बचाने के लिए इसके ऊपर तीन बड़े–बड़े शेड लगाए जाएंगे। हजारों श्रद्धालु एक साथ बैठकर आराम से रामलीला का मंचन देख सकेंगे। इतना ही नहीं, पूरे परिसर को सुंदर बनाने के लिए रेड स्टोन लगाया जा रहा है और रात में भव्यता के लिए विक्टोरिया लाइटें भी लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि पहले रामलीला के दौरान लोगों को जमीन पर बैठना पड़ता था, कीचड़ और अंधेरे से परेशानी होती थी। अब नया इनडोर स्टेडियम बनने के बाद श्रद्धालु भव्य और दिव्य रूप में रामलीला के दर्शन कर सकेंगे।

नाम परिवर्तन

मैं हरिओम पुत्र श्री पूरन मल नि. 901 गौतम नगर कॉलौनी, डॉडरा मौहल्ला जमुनाबाग रोड सदर जिला मथुरा, मेरी पुत्री के अंकपत्र व प्रमाण पत्र में उसका सही नाम भारती माहौर लिखा हुआ है जबकि उसके आधारकार्ड में उसका नाम माहौर गलत लिखा हुआ है अब से मेरी पुत्री को भविष्य के सभी कामो के लिए भारती माहौर के नाम से जाना जाए।

PUBLIC NOTICE

"Notice is hereby given that IANINA BUGAIENKO daughter of PAVLO BUHAIENKO is applying to the Secretary to the Government of India in the Ministry of Home Affairs for naturalization and that any person who knows any reason why naturalization should not be granted should send a written signed statement of the facts to the said Secretary."

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जीएलए के शोधकर्ताओं ने विकसित की नई डुप्लेक्स पीसीआर तकनीक

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर और छात्रों ने अनुसंधान- नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। शोध दल ने पशुधन में होने वाले बोवाइन ट्यूबरकुलोसिस और पैराट्यूबरकुलोसिस संक्रमण की एक साथ पहचान के लिए नई डुप्लेक्स पीसीआर तकनीक विकसित की है। उत्तर प्रदेश विज्ञान- प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान परियोजना के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद विकसित यह तकनीक एक ही जांच में दोनों रोगजनकों की त्वरित और सटीक पहचान करने में सक्षम है।

जीएलए विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग की लैब में रिसर्च के दौरान असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सौरभ गुप्ता।

शोध परियोजना का नेतृत्व- पर्यवेक्षण असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सौरभ गुप्ता ने किया। उन्होंने बताया कि बोवाइन ट्यूबरकुलोसिस और पैराट्यूबरकुलोसिस पशुधन के स्वास्थ्य-उत्पादकता को प्रभावित करने वाले गंभीर संक्रामक रोग हैं। दोनों संक्रमणों की एक साथ पहचान होने से रोग की समय रहते जानकारी मिलने के साथ नियंत्रण के उपाय प्रभावी ढंग से किए जा सकेंगे। एक ही जांच में दोनों रोगों की पहचान होने से समय, संसाधन और लागत की भी बचत होगी।

शोध की वैज्ञानिक गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है। परियोजना के प्रमुख निष्कर्ष जर्मनी के ड्रेसडेन में आयोजित 17वें अंतरराष्ट्रीय पैराट्यूबरकुलोसिस सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए। अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की मौजूदगी में शोध दल ने विकसित तकनीक की उपयोगिता और वैज्ञानिक महत्व की जानकारी दी। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय में पशु जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिली

पशुधन में दो गंभीर संक्रमणों की एक साथ होगी पहचान

नई तकनीक से समय संसाधन और जांच लागत घटेगी

है।

डॉ. सौरभ गुप्ता ने बताया कि उनके नेतृत्व में अब तक विभिन्न राष्ट्रीय वित्तपोषण संस्थाओं के सहयोग से नौ अनुसंधान परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी हैं। इनमें पशुधन स्वास्थ्य सुधार के लिए पोषक आहार, हर्बल औषधीय संरचनाओं के साथ आधुनिक आनुवंशिक जांच तकनीकों पर भी कार्य किया गया है। इन शोधों का उद्देश्य रोग नियंत्रण, पशुओं की उत्पादकता बढ़ाना और औषधियों पर निर्भरता कम करना है।

प्रोफेसर शूरवीर सिंह के मार्गदर्शन को भी शोध कार्य की सफलता में महत्वपूर्ण बताया गया। जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना गोयल ने कहा कि पशुधन से जुड़े संक्रामक रोगों की त्वरित और सटीक पहचान समय की आवश्यकता है। यह तकनीक प्रयोगशाला आधारित निदान को गति देने के साथ पशुपालकों के लिए बेहतर रोग नियंत्रण में उपयोगी साबित हो सकती है।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता और शोध अधिष्ठाता प्रो. कमल शर्मा ने डॉ. सौरभ गुप्ता और उनकी शोध टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवाचार और समाजोपयोगी तकनीकों के विकास को लगातार प्रोत्साहित कर रहा है।

छह साल की आराधिका ने स्केटिंग में रचा इतिहास

69 मिनट में 110 चक्कर लगाकर 27.03 किलोमीटर दूरी तय की

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के 18.4 किलोमीटर मानक को पीछे छोड़ा

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के चैतन्य विहार फेज–1 स्थित द संग हाई इम्पैक्ट स्कूल की छह वर्षीय छात्रा आराधिका कर ने स्केटिंग में शानदार उपलब्धि हासिल कर विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया है। गाजियाबाद के जेएसआर इंटरनेशनल स्केटिंग रिंक में आयोजित विशेष सत्र में आराधिका ने बैंक्ड स्केटिंग ट्रैक पर लगातार 110 चक्कर पूरे किए। आराधिका ने 69 मिनट में 27.03 किलोमीटर की दूरी तय कर अपनी प्रतिभा, संतुलन और सहनशक्ति का परिचय दिया। आराधिका का प्रदर्शन इसलिए खास रहा क्योंकि उसने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के 18.4 किलोमीटर के निर्धारित मानक को काफी पीछे छोड़ दिया। पूरे प्रदर्शन के दौरान उसने करीब 23.5 किलोमीटर प्रति घंटे की गति बनाए रखी। छह वर्ष की उम्र में बिना विश्राम लगातार लंबी दूरी की स्केटिंग करना उसकी मेहनत और मानसिक दृढ़ता को दर्शाता है।

विद्यालय की निदेशक खुशबू ओहरी और मार्तंड देव उपाध्याय ने आराधिका को बधाई देते हुए उसकी मेहनत की सराहना की। प्रधानाचार्य अंजू मल्होत्रा ने कहा कि आराधिका की उपलब्धि उसकी इच्छाशक्ति और माता–पिता के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह नन्हीं खिलाड़ी भविष्य में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए ओलंपिक तक पहुंच सकती है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए स्थानीय परिवाद समिति गठित, डॉ. सोनिका शर्मा बनीं अध्यक्ष

यूनिक समय, मथुरा। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र ने बताया कि कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न के तहत स्थानीय परिवाद समिति का गठन किया है।

डीएम कार्यालय के आदेश के अनुसार, समिति ऐसे संस्थानों और कार्यस्थलों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करेगी, जहां 10 से कम कर्मचारी होने के कारण आंतरिक परिवाद समिति गठित नहीं है अथवा शिकायत नियोक्ता के विरुद्ध है। अधिनियम की धारा 7(1) के तहत डॉ. सोनिका शर्मा को अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में शशि मिश्रा, पूजा चौधरी और मंजू रानी को सदस्य, जिला प्रोबेशन अधिकारी को पदेन सदस्य बनाया गया है। समिति शिकायतों का संवेदनशीलता, गोपनीयता और विधिसम्मत प्रक्रिया के साथ निस्तारण सुनिश्चित करेगी।

खो–खो में एलिट स्कूल की टीम ने जीता कांस्य पदक

विजेता खिलाड़ियों के साथ पदाधिकारी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। एलिट न्यू जेनरेशन इंटरनेशनल स्कूल की अंडर–17 बालक खो–खो टीम ने सीबीएसई क्लस्टर–19 प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। टीम की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

प्रतियोगिता का आयोजन दो से छह सितंबर तक गौतम बुद्ध नगर स्थित सैनफोर्ट वर्ल्ड स्कूल में किया गया। इसमें विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान एलिट स्कूल के खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास और उत्साह के साथ मुकाबले खेले। नियमित अभ्यास और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का असर उनके प्रदर्शन में साफ नजर आया।

विद्यालय चेयरमैन दिनेश चंद अग्रवाल, निदेशक संगीता अग्रवाल

कड़े मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार खेल

मेहनत और अनुशासन से मिली पदक की सफलता

और रितेश अग्रवाल, प्रशासनिक प्रमुख मुकेश चौधरी, विशेष कार्य अधिकारी डॉ. सौरभ तिवारी और प्रधानाचार्य अंकित खंडेलवाल ने पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने खेल शिक्षक प्रहलाद और सहयोगी शिक्षकों के प्रयासों की भी सराहना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की मेहनत, नियमित अभ्यास और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय शिक्षा के साथ खेलों को भी समान महत्व देता है।

पुलिस ने गिरफ्तार किए तीन गाय चोर

यूनिक समय,मथुरा। थाना महावन के गांव कारब मंदिर से गाय चोरी करने वाले तीन चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चोरों से एक गाय बरामद की है।

कारब के लक्ष्मण मंदिर से सात अगस्त को गाय चोरी हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में नगला लोका डागं से नगला भम्भू की ओर से विनोद निवासी महावन, दौजी निवासी कारब,सुशील निवासी दीवाना कलां को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मंदिर से चुराई गई एक गाय बरामद की है।

छिनौती करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे पुलिस ने छिनौती करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर छीना गया माल भी बरामद किया है। पुलिस ने मोहनपुर गांव के समीप अड्की जाने वाले रास्ते से अभियुक्त नरेंद्र उर्फ नीशू और राजकुमार निवासी गांव तेहरा वृंदावन को छिनौती करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों से छीने गए एक जोड़ी कुंडल, घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है।

तमंचा धारी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट पुलिस ने अभियुक्त रमन निवासी नगला बासुदेव थाना मांट को तालिया अंडर पास यमुना एक्सप्रेस वे के समीप से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक देशी तमंचा-कारतूस बरामद किए हैं।

आईएएस सलोनी ने छात्राओं को सफलता के मंत्र बताए

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में युवा प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इंटरमीडिएट स्तर के विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने के अभियान के तहत मंगलवार को आईएएस अधिकारी सलोनी गौतम ने किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज में छात्राओं से संवाद किया। वर्ष 2025 बैच की आईएएस सलोनी गौतम ने छात्राओं को प्रतियोगी और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुशासन, निरंतरता, समय प्रबंधन और नियमित पुनरावर्तन को सफलता की कुंजी बताया।

कार्यक्रम में कक्षा 10, 11 और 12 की छात्राओं और एनसीसी

आइएएस सलोनी गौतम का स्वागत करतीं प्रधानाचार्य और अन्य।

कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उत्तर लेखन, पाठ्यक्रम पूरा करने और बोर्ड परीक्षा में बेहतर अंक हासिल करने से जुड़े सवाल पूछे। कैडेट साक्षी के अनुशासन और निरंतरता संबंधी प्रश्न पर सलोनी गौतम ने निश्चित दैनिक दिनचर्या बनाकर पूरी निष्ठा से उसका पालन करने की सलाह दी। कैडेट नैना के उत्तर लेखन संबंधी सवाल पर उन्होंने विचारों को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने पर जोर दिया।

कैडेट आराध्या अग्रवाल के बोर्ड

किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज में छात्राओं से किया संवाद

और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि दोनों परीक्षाओं की अलग–अलग जरूरतों को समझकर संतुलित तैयारी जरूरी है। कैडेट लहर को नियमित अध्ययन, बार–बार पुनरावर्तन और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के अभ्यास की सलाह दी। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ. शालिनी अग्रवाल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

आगरा में नौवीं की छात्रा की मौत पर लोगों ने काटा हंगामा

पांच दिन बाद घायल मिली छात्रा, इलाज के दौरान मौत

हादसा बता रही पुलिस परिजन जता रहे दुष्कर्म की आशंका

यूनिक समय, आगरा। आगरा में कक्षा नौ की 16 वर्षीय छात्रा की इलाज के दौरान मौत के बाद मंगलवार को एसएन मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम हाउस पर जमकर हंगामा हुआ। छत्ता थाना क्षेत्र के लंगड़े की चौकी निवासी छात्रा 28 अगस्त की शाम खाटू श्याम मंदिर जाने की बात कहकर घर से निकली थी। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और छत्ता थाने में गुमशुदगी की सूचना दी। परिजनों का आरोप है कि पांच दिन तक पुलिस ने मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

पुलिस के मुताबिक, एक सितंबर को वाटर बॉक्स चौराहे पर एक किशोरी सड़क हादसे में घायल मिली थी। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पहचान नहीं होने पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और छात्रा के परिजनों तक पहुंची। अस्पताल पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान अपनी बेटी के रूप में की। हालत गंभीर होने पर उसे एसएन मेडिकल कॉलेज की आपातकालीन इकाई में भेजा गया। सोमवार रात करीब दो बजे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मौत की खबर मिलते ही मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पर परिजन और वाल्मीकि समाज के सैकड़ों लोग पहुंच गए। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही और आरोपी को बचाने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। परिजनों ने चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमार्टम कराने और कार चालक को गिरफ्तार करने की मांग की।

परिजनों का आरोप है कि छात्रा के हाथ-पैर पर हादसे जैसी चोट के निशान नहीं थे, जबकि अस्पताल में उसके गुप्तांग से लगातार रक्तस्राव हो रहा था। इसी आधार पर उन्होंने दुष्कर्म की आशंका जताई। उनका यह भी आरोप है कि अस्पताल में एक युवक आया था और इलाज के लिए रुपये देने की बात कहकर वहां से चला गया। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने उसे अब तक गिरफ्तार नहीं किया।

परिजनों ने सवाल उठाया कि बेटी चार दिन तक कहां रही और यदि गुमशुदगी की सूचना पर तत्काल कार्रवाई होती तो शायद उसकी जान बच सकती थी। वहीं, डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि छात्रा का चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जचौंदा में झगड़े के बाद पुलिस तैनात

जमीन को लेकर चल रहा है विवाद, दोनों पक्षों के एक दर्जन लोग घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन के गांव जचौंदा में दो पक्षों के बीच सोमवार को हुए झगड़े के बाद पुलिस बल तैनात किया गया है। गांव में तनावपूर्ण माहौल है।

गौरतलब है कि कल जचौंदा निवासी हाकिम सिंह और हरीशचंद सिंह के परिवारों में एक जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। कल कोर्ट में मुकदमे की तारीख थी। कचहरी में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी। इसके बाद गांव आकर दोनों ही पक्ष के लोगों ने एक दूसरे के साथ जमकर मारपीट की। दोनों ओर से चले लाठी- डंडे आदि से दोनों पक्षों के एक दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। सीओ गोवर्धन ने गांव में हुए संघर्ष को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया है, जबकि घायलों का इलाज चल रहा है।

पति और डेढ़ साल की मासूम को सोता छोड़कर लापता हुई महिला

यूनिक समय, कोसीकलां। मीना नगर में किराए पर रह रहे एक मजदूर की पत्नी घर से लापता हो गई है। महिला अपने पति और डेढ़ साल की दुधमुंही बच्ची को सुबह सोता छोड़कर बिना बताए कहीं चली गई। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। अब पीड़ित पति ने थाना पुलिस से पत्नी को तलाश करने की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार, सतीश मूल रूप से ग्राम पठाकरका, थाना उलदन, जिला झांसी का रहने वाला है। वह पिछले दो माह से अपनी पत्नी राजाबेटी और डेढ़ वर्षीय पुत्री पायल के साथ मीना नगर में इसुफ के मकान में किराए पर रहकर चिनाई मिस्त्री का कार्य करता है। पीड़ित के अनुसार, छह सितंबर की सुबह उसकी पत्नी राजाबेटी घर से अचानक लापता हो गई। पति सतीश ने उसकी तलाश उसके मायके सहित सभी रिश्तेदारियों में की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने गुमशुदगी की कार्रवाई शुरू कर दी है।

त्योहारों से पहले लापता हुई एंटी रोमियो टीम

यूनिक समय, कोसीकलां। अगले माह से रामलीला, दुर्गा पूजा और दशहरा जैसे बड़े आयोजन शुरू होने वाले हैं, जहां हजारों की भीड़ में महिलाएं-बेटियां शामिल होंगी, लेकिन उससे पहले ही बेटियों की सुरक्षा के लिए भाजपा सरकार द्वारा गठित एंटी रोमियो टीम नगर से लापता है। ऐसे में त्योहारों पर सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। टीम का काम सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित रह गया है। अधिकारियों का आदेश आते ही चार महिलाओं को थाने बुलाकर फोटो ले ली जाती है और भेजकर अभियान पूरा दिखा दिया जाता है। जमीनी स्तर पर स्कूल-कॉलेज और पार्कों में कोई गश्त नहीं हो रही। यह गनीमत है कि अभी तक तो कोई बड़ी घटना नहीं हुई है, लेकिन मनचले रोजाना स्कूल-कॉलेज के बाहर घूम रहे हैं। स्थानीय लोगों ने एसएसपी से मांग की है कि त्योहारों से पहले ही एंटी रोमियो टीम को सक्रिय कर मेला स्थलों, स्कूल-कॉलेज और बाजारों में महिला पुलिस की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि भाजपा सरकार की बेटी सुरक्षा की मंशा पूरी हो सके।

हनुमान मंदिर में चौथी बार चोरी दानपात्र ले गए चोर

कैमरों पर कपड़ा डालकर वारदात, ग्रामीणों में आक्रोश

यूनिक समय, आगरा। आगरा के अछनेरा-फरह मार्ग स्थित बुर्जा वाले हनुमान मंदिर में सोमवार देर रात चोर दानपात्र उठा ले गए। महंत विश्वनाथ के अनुसार, करीब तीन बजे तीन नकाबपोश चोर मंदिर के पीछे का लोहे का जंगला काटकर अंदर घुसे। उन्होंने पहले सीसीटीवी कैमरों पर कपड़ा डाला और फिर घुटने के बल चलते हुए दानपात्र तक पहुंचे। पेटी लेकर तीनों फरार हो गए। कुछ दूरी पर खेत में खाली दानपात्र मिला। उसमें पिछले करीब तीन महीने से श्रद्धालुओं का चढ़ावा जमा था।

मंगलवार सुबह करीब सात बजे दर्शन करने पहुंचे लोगों ने जंगला कटा देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि वारदात से पहले कैमरों को ढक दिए जाने से पहचान में परेशानी आ रही है। महंत ने बताया कि मंदिर में चोरी की यह चौथी घटना है। उनका आरोप है कि पिछली घटनाओं का भी खुलासा नहीं हुआ। लगातार चोरी से ग्रामीणों में आक्रोश और मंदिर की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

वायरल बुखार का बढ़ा प्रकोप, युवक की मौत

यूनिक समय, हाथरस। हाथरस में मौसम बदलने के साथ वायरल बुखार के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मंगलवार को जिला अस्पताल में बुखार से पीड़ित 35 वर्षीय युवक महेश की मौत हो गई। वह शहर के कोठी बेलन शाह का रहने वाला था और पेंटिंग का काम करता था। परिजनों के अनुसार, महेश कई दिनों से बुखार से पीड़ित था और उसकी प्लेटलेट्स भी कम हो गई थीं। सोमवार रात तबीयत बिगड़ने पर परिजन मंगलवार सुबह उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वायरल बुखार के बढ़ते प्रकोप के बीच मंगलवार को जिला अस्पताल की बाह्य रोगी सेवा में 200 से ज्यादा बुखार के मरीज पहुंचे। निजी अस्पतालों में भी मरीजों की भीड़ रही। बढ़ती संख्या के कारण पर्चा और दवा काउंटर के साथ चिकित्सकों के कक्ष के बाहर भी लंबी कतारें लगी रहीं। जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. अवधेश कुमार ने लोगों को पर्याप्त पानी और गर्म पानी का सेवन करने की सलाह दी। उन्होंने छींकने वाले लोगों से दूरी रखने और रुमाल से बचाव करने को कहा। डेंगू या मलेरिया जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सक से संपर्क करने तथा आसपास साफ-सफाई रखने की अपील की गई।

तीन सितारा रेटिंग मिली, फिर भी स्वच्छ हवा में पिछड़ा अलीगढ़

प्रदूषण नियंत्रण में सुधार, लेकिन शीर्ष शहरों में जगह नहीं

निर्माण, कचरा जलाने से बढ़ी परेशानी

यूनिक समय, अलीगढ़। वायु स्वच्छता सुधार की राष्ट्रीय रैंकिंग में अलीगढ़ को तीन सितारा रेटिंग मिली है। इससे संकेत मिलता है कि शहर में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर किए जा रहे प्रयासों का असर दिख रहा है। हालांकि, अलीगढ़ देश के शीर्ष 16 स्वच्छ हवा वाले शहरों में स्थान नहीं बना सका। इस सूची में लखनऊ पहले स्थान पर रहा। शहर में वायु प्रदूषण की प्रमुख वजह सड़क की धूल और बढ़ता यातायात माना जा रहा है। कई सड़कों के किनारे कच्चे हिस्से हैं, जबकि निर्माण सामग्री खुले में पड़ी रहती है। भारी वाहनों की आवाजाही और जाम से भी धूल के कण हवा में फैल रहे हैं।

निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने और खुले में कचरा जलाने से समस्या बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, नियमित पानी का छिड़काव, कचरा न जलाना और पौधरोपण जरूरी है। तीन सितारा रेटिंग शुरुआत है, लेकिन बेहतर स्थान के लिए प्रयास तेज करने होंगे।

बारिश में भीगी जब्त दवाएं, मुकदमों के साक्ष्य खतरे में

बारिश में गल रहे दवा माफियाओं के खिलाफ अहम सबूत

खुले में कार्टन भीगे पहचान मिटने से साक्ष्य खतरे में

यूनिक समय, आगरा। आगरा में नकली दवाओं के खिलाफ कार्रवाई के दौरान जब्त किया गया माल ही अब लापरवाही की भेंट चढ़ रहा है। औषधि विभाग द्वारा छापों में जब्त नकली, चिकित्सकीय नमूने, समय सीमा पार और अस्पतालों में आपूर्ति की जाने वाली दवाएं सुरक्षित रखने के बजाय खुले में पड़ी हैं। बारिश के पानी से दवाओं के कार्टन, रैपर और छपाई खराब हो रही है। कई दवाओं की पहचान तक मुश्किल हो गई है। इससे न्यायालय में चल रहे आपराधिक मामलों के कमजोर पड़ने की आशंका है।

सिकंदरा के कैलाशपुरी स्थित स्वास्थ्यकर्मी प्रशिक्षण केंद्र में वर्ष 2007 में जब्त दवाएं रखने के लिए तीन कमरे लिए गए थे। वर्ष 2015 तक कार्रवाई में जब्त माल इन्हीं कमरों में रखा गया। वर्तमान में यहां मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय संचालित है, लेकिन तीन कमरों में करीब 15 साल से पुराना जब्त माल पड़ा है।

कमरों के बाहर गैलरी और खुले स्थान पर दवाओं के कार्टन व कट्टे पड़े हैं। बारिश से पैकिंग गल रही है और सिरप की बोतलों के रैपर खराब हो चुके हैं। कई जगह दवा का नाम, कंपनी और बैच संख्या पढ़ना मुश्किल हो गया है। खुले में रखे माल में सिरप, गोलियां और इंजेक्शन भी शामिल हैं।

वर्ष 2015 के बाद जब्त दवाएं नौबारी, मधु नगर में रखी जाने लगीं, जबकि पुराने मामलों का माल अब भी सीएमओ कार्यालय के कमरों में है। कई मामलों की न्यायालयी कार्रवाई पूरी होने के बावजूद दवाएं नष्ट नहीं की गईं, जिससे माल बाहर तक फैल गया।

जब्त दवा आपराधिक मामलों में महत्वपूर्ण साक्ष्य होती है। पहचान संबंधी जानकारी मिटने पर उसे मामले से जोड़ना कठिन हो सकता है। सहायक आयुक्त औषधि अरविंद गुप्ता ने कहा कि खुले में दवाएं क्यों रखी गई हैं, इसकी रिपोर्ट मांगी जाएगी और जांच कराई जाएगी। प्रभारी सीएमओ डॉ. अमित रावत ने बताया कि दवाएं हटाने के लिए औषधि विभाग को पत्र लिखा जा रहा है।

निकाय चुनाव में सिर पर चप्पल रखकर प्रत्याशी ने मांगा समर्थन

यूनिक समय, भरतपुर। राजस्थान के निकाय चुनाव में प्रत्याशी मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। भरतपुर जिले की बयाना नगरपालिका के वार्ड 15 से निर्दलीय प्रत्याशी प्रदीप कुमार शर्मा ने अनोखे अंदाज में प्रचार किया। उन्होंने एक थाली में फूलों के साथ अपनी चुनाव चिन्ह चप्पलें सजाईं और उसे सिर पर रखकर वार्ड की गलियों में घूमते हुए मतदाताओं से समर्थन मांगा। उनके साथ परिजन और समर्थक भी चल रहे थे, जो नारे लगाकर माहौल बना रहे थे। बयाना नगरपालिका के 35 वार्डों में 11 सितंबर को मतदान होना है। नगरपालिका अध्यक्ष का पद महिला के लिए आरक्षित है।

सुविचार

जीवन में कठिनाइयां आती हैं, लेकिन साहस रखने वालों के सामने टिक नहीं पातीं।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	02:43-12:31 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	आश्लेषा	04:39-03:14 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय		6:02 AM	चन्द्रोदय	05:24 AM
सूर्यास्त		6:31 PM	चंद्रास्त	05:24 PM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	कर्क राशि
शुभ मुहूर्त		12:03PM–12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:35-05:23
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:16 PM: 01:50 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

विश्वकर्मा पूजा पर सजेंगे औजार 17 सितंबर को होगी पूजा

त्रिशूल से सुदर्शन चक्र तक बनाए दिव्य अस्त्र

देवताओं के शिल्पी ने बनाए दिव्य अस्त्र और नगर

कारखानों और कार्यस्थलों पर होगी विशेष पूजा-अर्चना

यूनिक समय, मथुरा। भगवान विश्वकर्मा को हिंदू धर्म में देवताओं का शिल्पी, वास्तुकार और महान शिल्पकार माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उन्होंने अनेक भव्य नगरों, भवनों और दिव्य अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया। हर वर्ष कन्या संक्रांति के अवसर पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष 17 सितंबर 2026 को विश्वकर्मा पूजा होगी।

विश्वकर्मा पूजा के लिए इस बार शुभ समय सुबह 7:58 बजे से दोपहर 12:40 बजे तक बताया गया है। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त में पूजा करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन कारखानों, दुकानों, कार्यालयों और कार्यस्थलों पर मशीनों, औजारों तथा उपकरणों की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

पौराणिक कथाओं में भगवान विश्वकर्मा को वास्तुदेव और अंगिरसी का पुत्र बताया गया है। कुछ धार्मिक ग्रंथों में उन्हें ब्रह्मा जी का मानस पुत्र भी माना गया है। मान्यता है कि उन्होंने सतयुग में स्वर्गलोक, त्रेतायुग में सोने की लंका और द्वापर युग में द्वारका जैसी भव्य नगरियों का निर्माण किया।

भगवान विश्वकर्मा की शिल्पकला का वर्णन अनेक धार्मिक कथाओं में मिलता है। मान्यता है कि उन्होंने भगवान शिव का त्रिशूल, भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र, इंद्र का वज्र, यमराज का कालदंड और अन्य दिव्य अस्त्र तैयार किए थे। उनके द्वारा बनाए गए पुष्पक विमान और इंद्रप्रस्थ का भी धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है।

विश्वकर्मा जयंती पर कारीगर, शिल्पकार, अभियंता और मशीनों से जुड़े लोग अपने कार्यस्थल तथा उपकरणों की सफाई करते हैं। इसके बाद हल्दी, चंदन और पुष्प से औजारों की पूजा कर भगवान विश्वकर्मा से कार्य में सफलता, उन्नति और समृद्धि की कामना की जाती है। यह पर्व मेहनत, हुनर और रचनात्मकता के सम्मान का प्रतीक माना जाता है।

शादी में नाराज फूफा की परंपरा आज भी कायम है

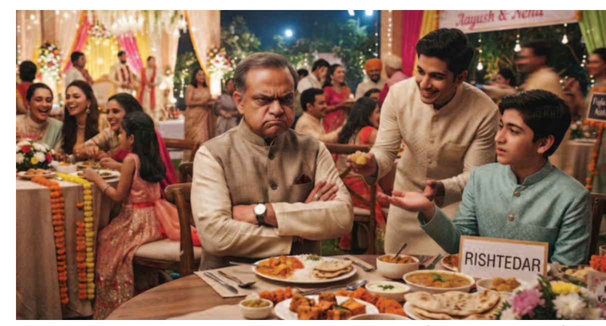

हर शादी में फूफाजी की नजर रहती है

आधुनिक शादी में घटा रुतबा, बढ़ी हंसी

यूनिक समय, मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नाराज फूफा' वाले तंज के बाद भारतीय शादियों का यह चर्चित किरदार फिर चर्चा में आ गया है। बात राजनीति से शुरू हुई, लेकिन लोगों को अपने घर-परिवार की शादियां याद आने लगीं। सोशल मीडिया पर चुटकुलों और मीम्स की बाढ़ इसका प्रमाण है।

भारतीय शादी में फूफाजी केवल रिश्तेदार नहीं होते, बल्कि अनौपचारिक निरीक्षक की भूमिका भी निभाते हैं। स्वागत में माला कैसी थी, खाना समय पर मिला या नहीं, बैठने की व्यवस्था ठीक है या नहीं-इन सब पर उनकी नजर रहती है। जरा-सी कमी दिखी नहीं कि चेहरे पर नाराजगी और बातचीत में शिकायत शुरू।

कई परिवारों में तो फूफाजी को मनाना शादी की व्यवस्थाओं का अहम हिस्सा माना जाता रहा है। उनके रूठने पर घर के बड़े सक्रिय हो जाते थे और मनुहार का दौर चलता था।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

समय बदला तो शादियां भी बदल गईं। अब आयोजन संभालने के लिए विशेषज्ञ व्यवस्थापक और भोजन के लिए अलग दल मौजूद रहता है। ऐसे में फूफाजी के निरीक्षण का अधिकार कुछ कम जरूर हुआ है, लेकिन उनका किरदार खत्म नहीं हुआ।

आज नाराज फूफा रिश्तेदारों के लिए चिंता से ज्यादा मनोरंजन का विषय बन गए हैं। आखिर शादी में सब कुछ सही हो जाए तो भी थोड़ा रूठना-मनाना न हो, तो देसी शादी का मजा ही क्या!

साक्षरता दिवस : किताबें बढ़ीं, मगर पढ़ने वालों की कमी क्यों!

छह दशक बाद भी 73.9 करोड़ लोग पढ़ने से दूर

1966 में हुई थी साक्षरता दिवस की शुरुआत

यूनिक समय, मथुरा। हर साल 8 सितंबर को साक्षरता दिवस मनाया जाता है। भाषण होते हैं, आंकड़े गिनाए जाते हैं और शिक्षा को बढ़ावा देने के संकल्प दोहराए जाते हैं। मगर छह दशक बाद भी दुनिया पूरी तरह साक्षर नहीं हो सकी। करीब 73.9 करोड़ युवा और वयस्क आज भी बुनियादी पढ़ने-लिखने की क्षमता से वंचित हैं। यानी विद्यालय बढ़े, किताबें पहुंचीं, लेकिन अक्षरों की दुनिया से दूर लोगों की कतार अब भी लंबी है।

यूनेस्को ने 1966 में 8 सितंबर को साक्षरता दिवस घोषित किया था। वर्ष 1967 से इसका आयोजन शुरू हुआ। उद्देश्य केवल लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाना नहीं, बल्कि उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक भागीदारी के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना भी था।

वर्ष 2026 की विषयवस्तु 'लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरता' रखी गई है। इसका संदेश साफ है कि साक्षरता बेहतर जीवन की पहली सीढ़ी है।

विडंबना यह है कि जिस दौर में दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल ज्ञान की ऊंचाइयों की बातें कर रही है, उसी समय करोड़ों लोग अब भी अक्षरों को पहचानने की बुनियादी लड़ाई लड़ रहे हैं। बच्चों की कमजोर पढ़ने की क्षमता इस चुनौती को और गंभीर बना रही है। ऐसे में साक्षरता दिवस उत्सव से ज्यादा आत्ममंथन का अवसर है।

जानवरों की भाषा समझेगा एआई, खुलेंगे आवाजों के राज

छोटे उपकरण जुटा रहे जानवरों की गतिविधियों के आंकड़े

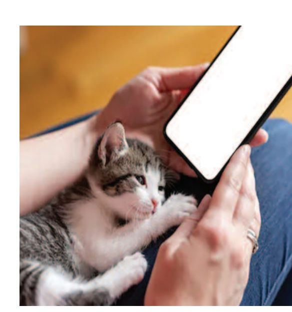

भाषा समझी तो संरक्षण में भी मिलेगा लाभ

यूनिक समय, मथुरा। जानवर क्या कह रहे हैं, उनकी आवाजों का मतलब क्या है और किस परिस्थिति में वे खास संकेत देते हैं-इन सवालों के जवाब खोजने में वैज्ञानिक अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद ले रहे हैं। व्हेल की आवाज से लेकर पक्षियों की गतिविधियों तक, वैज्ञानिक बड़ी मात्रा में आंकड़े जुटाकर उनका विश्लेषण कर रहे हैं।

जानवरों पर लगाए जाने वाले छोटे उपकरण उनकी आवाज, शरीर की हलचल और व्यवहार को दर्ज करते हैं। इसके बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन आंकड़ों में ऐसे पैटर्न तलाशती है, जिन्हें इंसान आसानी से पहचान नहीं पाते। वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि किसी खास आवाज का संबंध डर, भोजन, खतरे या दूसरे व्यवहार से है या नहीं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में इस दिशा में बड़ी सफलता मिल सकती है। जानवरों के संकेत समझने से वन्यजीव संरक्षण को नई दिशा मिल सकती है। उनकी जरूरतों और व्यवहार को बेहतर समझकर प्राकृतिक आवास बचाने में मदद मिलेगी। हालांकि, इसके गलत इस्तेमाल का खतरा भी है। यदि शिकारी जानवरों के संकेत समझने वाली तकनीक हासिल कर लेते हैं, तो इसका नुकसान वन्यजीवों को हो सकता है। इसलिए वैज्ञानिकों के सामने चुनौती सिर्फ भाषा समझने की नहीं, बल्कि इस तकनीक को सुरक्षित रखने की भी है।

बुजुर्गों में कुछ दवाएं फायदे से ज्यादा नुकसानदेह

नींद-चिंता की दवाओं से बढ़ता गिरने का खतरा

एस्पिरिन और अनावश्यक एंटीबायोटिक भी नुकसानदेह

यूनिक समय, मथुरा। अमेरिका में हुए कई अध्ययनों में सामने आया है कि बुजुर्गों के लिए इस्तेमाल होने वाली कुछ सामान्य दवाएं बीमारी से राहत देने के बजाय गंभीर जोखिम बढ़ा सकती हैं। खासकर नींद और चिंता की दवाओं से बुजुर्गों में संतुलन बिगड़ने, गिरने, हड्डी टूटने और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। इसके बावजूद इनका इस्तेमाल पूरी तरह कम नहीं हुआ है।

वैलियम, जैनक्स, एतिवान और एम्बियन जैसी दवाएं बुजुर्गों में सोचने-समझने, संतुलन और शारीरिक तालमेल को प्रभावित कर सकती हैं। वर्ष 2015 से 2024 के बीच 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में ऐसी दवाओं का इस्तेमाल 14 प्रतिशत से घटकर 11.5 प्रतिशत हुआ, लेकिन महामारी के बाद इसमें कमी रुक गई। 75 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में इस्तेमाल बढ़ने की बात भी सामने आई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय से ऐसी दवाएं लेने वाले मरीज इन्हें अचानक बंद न करें। चिकित्सक की निगरानी में धीरे-धीरे खुराक कम करना जरूरी है, क्योंकि अचानक दवा छोड़ने पर गंभीर लक्षण हो सकते हैं।

पहले दिल का दौरा या आघात न झेल चुके अधिक उम्र के लोगों में रोजाना कम मात्रा में एस्पिरिन लेने का लाभ सीमित माना जा रहा है। इसके बजाय पेट और मस्तिष्क में आंतरिक रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है।

इसी तरह कुछ आंत संबंधी स्थितियों में एंटीबायोटिक का अनावश्यक इस्तेमाल भी नुकसानदेह है। अध्ययनों में पाया गया कि चिकित्सकीय निर्देशों के बावजूद 97 प्रतिशत मामलों में इन्हें लिखा गया। इससे दस्त, उल्टी, संक्रमण और दवाओं के प्रति प्रतिरोध बढ़ने का खतरा रहता है।

सम्पादकीय

जानकारी के सैलाब में आखिर ज्ञान क्यों डूब गया

आज के समय में किसी चीज की कमी है तो वह जानकारी की नहीं। मोबाइल उठाइए, कुछ शब्द लिखिए और दुनिया भर के उत्तर स्क्रीन पर हाजिर। पहले किसी बात को जानने के लिए किताबें पलटनी पड़ती थीं, लोगों से पूछना पड़ता था और कभी-कभी वर्षों तक अनुभव जुटाना पड़ता था। अब कुछ सेकंड में उत्तर मिल जाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने तो इस सुविधा को और आसान बना दिया है।

पवन गौतम
संपादक

लेकिन असली सवाल यहीं से शुरू होता है-क्या जानकारी मिल जाना ही ज्ञान हासिल कर लेना है?

आज हमारी जेब में पूरी दुनिया समाई हुई है, मगर दिमाग में क्या समाया है, यह सवाल थोड़ा असहज कर देता है। हम बता सकते हैं कि कौन-सी घटना कब हुई, किस चीज का क्या उपयोग है और किसी समस्या का तत्काल समाधान क्या है। लेकिन जब सवाल यह हो कि सही क्या है, जरूरी क्या है और जीवन में किस रास्ते पर चलना चाहिए, तब वही ज्ञान का खजाना अचानक हल्का लगने लगता है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विडंबना देखिए, जानकारी इतनी बढ़ गई है कि सोचने का समय कम हो गया है। हर सवाल का तुरंत उत्तर चाहिए और हर उत्तर तुरंत साझा भी करना है। कई बार तो जानकारी इतनी तेजी से दौड़ती है कि समझ पीछे हांफती रह जाती है।

शिक्षा का उद्देश्य दिमाग को तथ्यों का गोदाम बनाना नहीं, बल्कि सोचने और समझने की क्षमता विकसित करना है। ज्ञान वह है जो भ्रम दूर करे, विवेक जगाए और सही-गलत में फर्क करना सिखाए। केवल यह जान लेना कि रास्ते कितने हैं, पर्याप्त नहीं; यह समझना भी जरूरी है कि जाना कहां है।

नई पीढ़ी के सामने चुनौती इसलिए बड़ी है। उसके पास साधन पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन उनका सही इस्तेमाल करने के लिए विवेक भी उतना ही जरूरी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्तर दे सकती है, विकल्प गिना सकती है और रास्ते सुझा सकती है, मगर जीवन का निर्णय मनुष्य को स्वयं लेना होगा।

आखिर मशीन से यह पूछना आसान है कि 'क्या करना है?' लेकिन यह तय करना अब भी इंसान के हिस्से में है कि 'क्या करना चाहिए?' यही जानकारी और ज्ञान के बीच की असली दूरी है।

नजरिया

मौत की इमारतें खड़ी होती रहीं, जिम्मेदार सोते रहे

बोध प्रकाश सगुणी

दिल्ली में एक बार फिर एक जर्जर इमारत का मलबा सिर्फ ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता का सबूत बनकर सामने आया है। सत्य निकेतन के मोतीनगर क्षेत्र में वर्षों पुरानी इमारत के भरभराकर ढहने से कई परिवारों की खुशियां मलबे में दब गईं। जिन बच्चों की आंखों में बेहतर भविष्य के सपने थे, वे अचानक मौत और जिंदगी के बीच झूलने लगे। घटनास्थल पर परिजनों की चीखें थीं, बचाव दल की भागदौड़ थी और अधिकारियों का जमावड़ा था। लेकिन सबसे बड़ा सवाल अब भी वहीं खड़ा है-इन बच्चों की मौत का जिम्मेदार आखिर कौन है?

हर बड़े हादसे के बाद व्यवस्था का एक जाना-पहचाना चेहरा सामने आता है। अधिकारी घटनास्थल का निरीक्षण करते हैं, नेता संवेदना व्यक्त करते हैं, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया जाता है और मृतकों के परिजनों को मुआवजे की घोषणा कर दी जाती है। कुछ दिनों तक जांच और कार्रवाई की खबरें सुर्खियों में रहती हैं। फिर धीरे-धीरे शोर थमता है और फाइलें सरकारी दफ्तरों की अलमारियों में दब जाती हैं। क्या सत्य निकेतन हादसा भी इसी परंपरा का हिस्सा बन जाएगा?

सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह कोई अचानक पैदा हुई समस्या नहीं थी। जिस इमारत में दर्जनों युवा रह रहे थे, वह वर्षों पुरानी थी। बताया जा रहा है कि लगभग 55 गज के छोटे से भूखंड पर बड़ी संख्या में कमरे बना दिए गए थे। इमारत की उम्र चार दशक के आसपास बताई जा रही है और निर्माण भी निर्धारित मानकों के विपरीत होने के आरोप हैं। जिस क्षेत्र में सीमित मंजिल तक निर्माण की अनुमति थी, वहां कथित तौर पर उससे कहीं अधिक मंजिलें खड़ी कर दी गईं। सवाल है कि इतना बड़ा अवैध निर्माण आखिर इतने वर्षों तक किसकी नजर से बचा रहा?

अगर इमारत अवैध थी तो उसे बनाने की अनुमति किसने दी? अगर अनुमति नहीं थी तो निर्माण के समय कार्रवाई क्यों नहीं हुई? अगर भवन खतरनाक था तो उसमें लोगों के रहने की अनुमति कैसे बनी रही? और यदि किसी स्तर पर निरीक्षण हुआ था तो उसकी रिपोर्ट कहां है? इन सवालों के जवाब सिर्फ मकान मालिक से नहीं, बल्कि उस पूरी व्यवस्था से मांगे जाने चाहिए जो किसी भवन को खड़ा होने से लेकर उसमें लोगों के रहने तक निगरानी

का दावा करती है। सत्य निकेतन जैसे इलाके में बड़ी संख्या में विद्यार्थी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा रहते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले ये बच्चे कम खर्च में रहने के लिए पीजी तलाशते हैं। उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर कई जगह छोटे-छोटे कमरों में अधिक से अधिक लोगों को ठूंस दिया जाता है। मकान मालिक भवन किसी अन्य व्यक्ति को सौंप देता है और वह व्यक्ति उसे किराये की कमाई का जरिया बना लेता है।

यहां सुरक्षा, अग्निशमन व्यवस्था, भवन की मजबूती, आपातकालीन निकास और रहने योग्य वातावरण जैसे जरूरी सवाल पीछे छूट जाते हैं।

दुर्भाग्य यह है कि हादसा होने से पहले खतरे के संकेत भी मौजूद रहते हैं। पुरानी इमारतें दरकती हैं, छतों से मलबा गिरता है, दीवारों में दरारें आती हैं और बारिश के दौरान नींव के आसपास पानी भरता है। फिर भी कार्रवाई अक्सर तब होती है जब कोई जान चली जाती है। सत्य निकेतन की इमारत में भी पहले नुकसान होने की बात सामने आई थी। अगर ऐसा था तो उस समय पूरी इमारत की सुरक्षा जांच क्यों नहीं कराई गई? केवल मरम्मत कराकर खतरे को ढक देना क्या किसी जिम्मेदार व्यवस्था की पहचान हो सकती है?

दिल्ली में विद्यार्थियों से जुड़े हादसों का सिलसिला पहले भी सवाल खड़े करता रहा है। राजेंद्र नगर में कोचिंग संस्थान के तहखाने में पानी भरने से विद्यार्थियों की मौत और मुखर्जी नगर में आग की घटना ने देश को झकझोर दिया था। हर बार एक ही सवाल उठा-क्या हमारी व्यवस्था हादसे होने का इंतजार करती है?

यह समस्या केवल दिल्ली की नहीं है। देश के तमाम बड़े शहरों में अवैध निर्माण, अनधिकृत कॉलोनियां, असुरक्षित पीजी और बिना मानक चल रहे छात्रावास गंभीर चुनौती हैं। लेकिन दिल्ली जैसी राजधानी में यह स्थिति और अधिक शर्मनाक है। यहां नगर निकाय, पुलिस, अग्निशमन विभाग और प्रशासन जैसी अनेक संस्थाएं मौजूद हैं। फिर भी अगर किसी जर्जर भवन में दर्जनों बच्चे वर्षों तक रहते हैं और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगती, तो यह केवल एक मकान मालिक की लापरवाही नहीं, बल्कि निगरानी तंत्र की विफलता है।

भ्रष्टाचार के आरोप भी तभी तक अर्थपूर्ण हैं जब उनकी निष्पक्ष जांच हो और दोष सिद्ध होने पर कार्रवाई हो। केवल मकान मालिक पर मुकदमा दर्ज कर देना पर्याप्त नहीं है। यह पता लगना चाहिए कि भवन के निर्माण, विस्तार, किराये पर संचालन और सुरक्षा के दौरान किन-किन अधिकारियों की जिम्मेदारी थी। यदि किसी ने नियमों की अनदेखी की, रिश्वत ली या शिकायत के बावजूद आंखें बंद रखीं, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। सबसे बड़ा खतरा यही है कि हादसे के बाद दोषियों पर कार्रवाई का दावा करके मामला समाप्त मान लिया जाए। अगर कुछ समय बाद वही स्थान फिर किसी नई इमारत में बदल गया और उसमें फिर विद्यार्थी रहने लगे, तो समझिए हमने हादसे से कुछ नहीं सीखा।

जरूरत मुआवजे से आगे बढ़ने की है। दिल्ली और देश के दूसरे महानगरों में छात्र पीजी, किराये के कमरों और छात्रावासों का व्यापक सुरक्षा सर्वे होना चाहिए। जर्जर और मानकों के विपरीत बने भवनों को चिन्हित कर समय रहते खाली कराया जाए। पीजी संचालकों का पंजीकरण अनिवार्य हो और क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को रखने पर कठोर कार्रवाई हो। सबसे जरूरी यह कि भवन सुरक्षा जांच को कागजी खानापूर्ति न बनाया जाए।

मलबे से निकली हर ईंट व्यवस्था से सवाल कर रही है। उन बच्चों के सपनों का हिसाब कौन देगा? उनके माता-पिता को मुआवजा मिल सकता है, लेकिन उनका बेटा या बेटी वापस नहीं आ सकता। इसलिए, इस हादसे को भी कुछ दिनों की सुर्खियों में बदलने से रोकना होगा। बच्चों की मौत केवल हादसा नहीं है। जहां खतरा दिखाई दे और व्यवस्था आंखें बंद कर ले, वहां हादसा नहीं, लापरवाही मौत को बुलावा देती है।

अब सवाल दोषी कौन है से आगे बढ़कर यह होना चाहिए कि जिम्मेदारी तय कब होगी और अगली मौत रोकने के लिए कार्रवाई कब शुरू होगी?

विचार विंडो

बच्चे को हर बार समझाएं नहीं, कभी उससे भी सीखें

राम प्रकाश शर्मा

बच्चे जब कुछ नया करते हैं तो अक्सर माता-पिता की पहली प्रतिक्रिया होती है-''यह ऐसे नहीं, ऐसे करो।'' बच्चा चित्र बना रहा हो तो रंगों पर सलाह, खाना बनाने की कोशिश करे तो सफाई की चिंता, खेल खेल रहा हो तो जीतने की रणनीति और मोबाइल पर कुछ सीख रहा हो तो तुरंत सवालों की बौछार। माता-पिता का यह व्यवहार स्वाभाविक है। वे अपने बच्चे को बेहतर बनाना चाहते हैं। लेकिन क्या कभी हमने सोचा है कि बच्चे को हर समय सिखाने के बजाय अगर पांच मिनट उससे कुछ सीख लिया जाए, तो क्या होगा?

ह्यूस्टन की शारा अरोड़ा की नौ साल की बेटी गर्मियों में एक जादू का कार्यक्रम देखकर घर लौटी। उसने घर पर खुद वही करतब दोहराने की कोशिश की। उसने तौलिये की मदद से चम्मच को हवा में तैरता हुआ दिखाया। मां समझ गईं कि चम्मच किसी तरह चिपकाया गया है। वह चाहतीं तो तुरंत राज खोल सकती थीं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने केवल पूछा-''यह कैसे किया?''

बस, इतना सुनना था कि बच्ची का चेहरा खिल उठा। उसने बताया कि उसे यह विचार कैसे आया, उसने कितनी बार कोशिश की, कहां गलती हुई और फिर उसने अपनी तरकीब कैसे सुधारी। उस पल चम्मच से बड़ा जादू कुछ और था-बच्ची को लगा कि आज वह अपनी मां को कुछ सिखा रही है। यही छोटा-सा बदलाव बच्चों की सोच और आत्मविश्वास पर बड़ा असर डाल सकता

है। विशेषज्ञों का मानना है कि माता-पिता जब बच्चे से कहते हैं, ''मुझे यह समझ नहीं आया, तुम मुझे बताओ'', तो बच्चा स्वयं को केवल सीखने वाला नहीं, बल्कि ज्ञान रखने वाला व्यक्ति महसूस करता है। उसके भीतर यह विश्वास पैदा होता है कि वह भी कुछ जानता है, उसकी बात भी महत्वपूर्ण है और बड़े भी उससे कुछ सीख सकते हैं।

दरअसल, बच्चे दिन का बड़ा हिस्सा निर्देश, सुधार और मूल्यांकन सुनते हुए बिताते हैं। ''ऐसे बैठो'', ''यह मत करो'', ''यह गलत है'', ''पढ़ाई पर ध्यान दो'' जैसी बातें उनके रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा हैं। ऐसे में जब माता-पिता अचानक भूमिका बदलकर उनसे सीखने लगते हैं तो बच्चे को अपने महत्व का नया एहसास होता है।

इसके लिए किसी विशेष कक्षा या लंबे समय की जरूरत नहीं है। सप्ताह में केवल पांच मिनट काफी हो सकते हैं। बच्चा अपना पसंदीदा खेल खेल रहा है तो पूछिए-''मुझे भी बताओ, इसे कैसे खेलते हैं?'' वह चित्र बना रहा है तो कहिए-''यह चित्र तुमने कैसे बनाया?'' वह नृत्य कर रहा है तो पूछिए-''यह कदम मुझे भी सिखाओ।''

बात केवल खेल या कला तक सीमित नहीं है। बच्चा अपने पसंदीदा खेल के नियम और रणनीति समझा सकता है। वह कोई चित्र या हस्तकला बनाना सिखा सकता है। वीडियो या तस्वीर संपादित करने का तरीका बता सकता है। उसे किसी गीत, संगीत या नृत्य की जानकारी हो सकती है। यहां तक कि वह अपनी उम्र के बच्चों के बीच इस्तेमाल होने वाली किसी नई भाषा या शब्द का अर्थ भी माता-पिता को समझा सकता है।

महत्वपूर्ण यह है कि इस अभ्यास को गृहकार्य न बनाया जाए। माता-पिता सप्ताह में एक दिन समय तय करके बच्चे से यह न कहें कि ''आज मुझे कुछ सिखाना है।'' इससे यह भी एक जिम्मेदारी बन जाएगी। इसके बजाय अवसर तलाशें। बच्चा जिस काम में उत्साहित दिखाई दे, वहीं रुककर उससे सीखने की कोशिश करें। इसका एक और फायदा है-बच्चा जब किसी को कुछ सिखाता है तो उसे सामने वाले के नजरिए को समझना पड़ता है। उसे सोचना पड़ता है कि सामने वाले को कितना पता है, क्या समझ नहीं आ रहा और अपनी बात को किस तरह सरल बनाया जाए। इससे उसकी संवाद क्षमता मजबूत होती है। वह केवल जानकारी याद नहीं करता, बल्कि उसे व्यवस्थित करके दूसरे तक पहुंचाना सीखता है।

यह तरीका उन बच्चों के लिए और उपयोगी हो सकता है जो पढ़ाई या विद्यालय में किसी कारण संघर्ष करते हैं। संभव है कि कक्षा में वह किसी विषय में पीछे हो, लेकिन किसी खेल, कला, तकनीक या दूसरी रुचि में वह अपने साथियों से कहीं आगे हो। जब माता-पिता उसी रुचि को महत्व देते हुए उससे सीखते हैं तो बच्चे की नजर में उसकी अपनी क्षमता का मूल्य बढ़ता है।

पालन-पोषण का मतलब केवल बच्चे को सही रास्ता बताना नहीं है। कभी-कभी उसके पीछे चलकर यह देखना भी जरूरी है कि वह दुनिया को किस नजर से देखता है। बच्चे से ''मुझे सिखाओ'' कहना दरअसल उसे ज्ञान देने से ज्यादा उसके ज्ञान पर भरोसा जताना है। इसलिए अगली बार बच्चा कुछ ऐसा करे जिसे आप पहले से जानते हों, तुरंत उसकी गलती पकड़ने की बजाय कुछ पल रुकिए। उससे पूछिए-''अच्छा, अब यह मुझे सिखाओ।''हो सकता है पांच मिनट बाद आपको केवल वह काम ही न समझ आए, बल्कि आपका बच्चा भी थोड़ा और आत्मविश्वासी, जिज्ञासु और आपके करीब महसूस करे। बच्चे को बड़ा बनाने के लिए हमेशा ऊपर से ज्ञान देने की जरूरत नहीं होती; कभी-कभी उसके पास बैठकर विद्यार्थी बन जाना भी जरूरी है।

विकेट मिलते ही झूम उठी पूरी टीम

15 साल के वैभव ने कप्तान ईशान किशन को दी डीआरएस की सलाह

यूनिक समय, नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल में वैभव सूर्यवंशी ने बल्ले से भले ही बड़ी पारी नहीं खेली हो, लेकिन मैदान पर उनकी क्रिकेटिंग समझ ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच खेले जा रहे फाइनल के तीसरे दिन एक ऐसा पल देखने को मिला, जब वैभव ने कप्तान और विकेटकीपर ईशान किशन को डीआरएस लेने की सलाह दी और उनका फैसला बिल्कुल सही साबित हुआ। रिव्यू के बाद जब थर्ड अंपायर ने बल्लेबाज को आउट दिया तो ईस्ट जोन के खिलाड़ी खुशी से झूम उठे।
यह घटना साउथ जोन की पारी के छठे ओवर में हुई। उस समय टीम का स्कोर महज 10 रन था और मुकेश कुमार गेंदबाजी कर रहे थे। ओवर की एक गेंद पर साउथ जोन के ओपनर रिकी भुई ने लेग साइड की ओर शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के पास पहुंची, जहां कुमार कुशाग्र ने कैच पकड़ लिया। ईस्ट जोन के खिलाड़ियों ने जोरदार अपील की, लेकिन मैदान पर मौजूद अंपायर ने बल्लेबाज को आउट नहीं दिया।
अंपायर के फैसले के बाद वैभव सूर्यवंशी ने तुरंत ईशान किशन से डीआरएस लेने के लिए कहा। शुरुआत में यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन ईशान ने वैभव की बात पर भरोसा जताते हुए रिव्यू ले लिया। इसके बाद थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखा तो गेंद और बल्ले के बीच संपर्क साफ नजर आया। तकनीक ने ईस्ट जोन के पक्ष में फैसला दिया और मैदानी अंपायर को अपना निर्णय बदलते हुए रिकी भुई को आउट करार देना पड़ा। विकेट मिलते ही ईस्ट जोन के खिलाड़ियों ने जमकर जश्न मनाया और वैभव की क्रिकेटिंग समझ की खूब तारीफ हुई।
दलीप ट्रॉफी में वैभव बल्ले से अब तक कोई शतक नहीं लगा पाए हैं, लेकिन उप-कप्तान के तौर पर उनका योगदान लगातार चर्चा में है। उन्हें टूर्नामेंट में चार पारियों में बल्लेबाजी का मौका मिला है, जिसमें उन्होंने एक अर्धशतक लगाया है। सेंट्रल जोन के खिलाफ सेमीफाइनल की पहली पारी में वैभव ने 92 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। फाइनल की पहली पारी में उन्होंने 37 गेंदों पर 44 रन बनाए। वहीं ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन की शानदार 270 रन की पारी के दम पर 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

5वें सोमवार भी नहीं थमी 'हनुमान अंश' की रफ्तार

'मिर्जापुरः द मूवी' को दी कड़ी टक्कर

2 करोड़ की फिल्म ने मचाया तहलका

यूनिक समय, नई दिल्ली। विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी धार्मिक फिल्म 'हनुमान अंश' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। रिलीज के पांचवें हफ्ते में पहुंच चुकी यह फिल्म अब भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब हो रही है।
फिल्म में शोभिनव सत्यम ने आध्यात्मिक गुरु नीम करोली बाबा की भूमिका निभाई है। खास बात यह है कि महज करीब 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने अब तक 156.20 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। पांचवें सोमवार को भी फिल्म ने करीब 10 करोड़ रुपये की कमाई की, जिसने ट्रेड में हलचल मचा दी है। फिल्म ने अपने 32वें दिन यानी पांचवें सोमवार को 7343 शोज के साथ लगभग 10 करोड़ रुपये का कारोबार किया। हालांकि रविवार के मुकाबले इसकी कमाई में करीब 56 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन पांचवें हफ्ते में भी 10 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।
इससे एक दिन पहले रविवार को 'हनुमान अंश' ने 7077 शोज के जरिए 22.75 करोड़ रुपये कमाए थे, जो फिल्म का अब तक का सबसे बड़ा सिंगल-डे कलेक्शन बताया जा रहा है। वहीं शनिवार को फिल्म ने 16.50 करोड़ और शुक्रवार को करीब 10 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। पांचवें सप्ताह के शुरुआती चार दिनों में ही फिल्म 59.25 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। अब तक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसका ग्रॉस कलेक्शन 156.20 करोड़ रुपये और नेट कलेक्शन 132.13 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। चौथे सप्ताह में भी फिल्म ने करीब 61 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी। ऐसे में आने वाले दिनों में पांचवां सप्ताह भी इसके लिए बेहद खास साबित हो सकता है।
दिलचस्प बात यह है कि नई रिलीज 'मिर्जापुरः द मूवी' के सामने भी 'हनुमान अंश' ने अपनी पकड़ कमजोर नहीं पड़ने दी। 'मिर्जापुरः द मूवी' ने पहले सोमवार को करीब 16 करोड़ रुपये कमाए, जबकि 'हनुमान अंश' ने अपने पांचवें सोमवार को 10 करोड़ रुपये का कारोबार किया। यानी दोनों फिल्मों के बीच सोमवार की कमाई का अंतर महज करीब 6 करोड़ रुपये रहा।
यह आंकड़ा बताता है कि नई फिल्म की रिलीज के बावजूद 'हनुमान अंश' को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म की सफलता इसलिए भी चौंकाने वाली है क्योंकि इसकी शुरुआत बेहद छोटे स्तर से हुई थी। 7 अगस्त को रिलीज के समय 'हनुमान अंश' को केवल 25 स्क्रीन मिली थीं और ओपनिंग कलेक्शन करीब 10 लाख रुपये बताया गया था।
लेकिन धीरे-धीरे दर्शकों की संख्या बढ़ती गई और फिल्म की कमाई ने रफ्तार पकड़ ली। तीसरे सप्ताह में फिल्म ने अचानक जोर पकड़ा और तीसरे रविवार को करीब 2.50 करोड़ रुपये कमाए। इसके बाद तीसरे सप्ताह का कलेक्शन 10.40 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। चौथे सप्ताह में कमाई में जबरदस्त उछाल आया और फिल्म ने करीब 61 करोड़ रुपये बटोर लिए। अब पांचवें हफ्ते में भी इसकी रफ्तार जारी है, जिससे 'हनुमान अंश' बॉक्स ऑफिस की सबसे चौंकाने वाली सफल फिल्मों में अपनी जगह बनाती नजर आ रही है।

एशिया कप सेमीफाइनल में भारत से भिड़ेगी कौन सी टीम

आज बांग्लादेश-यूएई की टक्कर से होगा बड़ा फैसला

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है और सेमीफाइनल की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। भारत और पाकिस्तान के साथ श्रीलंका ने भी अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली है, लेकिन चौथी टीम का फैसला अभी बाकी है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम इंडिया का सामना किससे होगा। इसका जवाब आज रात बांग्लादेश और यूएई के बीच होने वाले आखिरी लीग मुकाबले के बाद मिल जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम सीधे सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी और उसका सामना भारत से होगा। ग्रुप ए में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने तीनों मुकाबले जीते और शीर्ष स्थान हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पाकिस्तान ने भी तीन में से दो मैच जीतकर अगले दौर का टिकट कटाया है। वहीं थाईलैंड और हांगकांग चाइना की टीमें प्रतियोगिता से बाहर हो चुकी हैं। दूसरी ओर ग्रुप बी में श्रीलंका ने अपने प्रदर्शन के दम पर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इंडोनेशिया की टीम अपने तीनों मुकाबले गंवाकर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। अब इस ग्रुप से दूसरी सेमीफाइनलिस्ट टीम कौन होगी, इसका फैसला आज होने वाले मुकाबले से होगा। बांग्लादेश और यूएई दोनों ने अब तक दो-दो मैच खेले हैं और दोनों टीमों के खाते में एक-एक जीत के साथ दो अंक हैं।
ऐसे में आज का मुकाबला दोनों के लिए करो या मरो की स्थिति वाला है। जो टीम जीत दर्ज करेगी, उसके चार अंक हो जाएंगे और वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, जबकि हारने वाली टीम का सफर यहीं खत्म हो जाएगा। फिलहाल नेट रन रेट के मामले में बांग्लादेश की टीम यूएई से आगे है, लेकिन मैच का नतीजा ही सेमीफाइनल की तस्वीर तय करेगा। सेमीफाइनल के समीकरण भी काफी दिलचस्प हैं। ग्रुप ए में शीर्ष पर रहने वाली भारतीय टीम का मुकाबला ग्रुप बी की दूसरे स्थान वाली टीम से होना है।

सबा इब्राहिम के घर से एक एक कर गायब हुए गहने

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी अभिनेत्री दीपिका कक्कड़ की ननद और यूट्यूबर सबा इब्राहिम इन दिनों अपने घर में हुई चोरी को लेकर चर्चा में हैं। सबा ने अपने हालिया व्लॉग में बताया कि पिछले करीब 20-25 दिनों से उनके घर से लगातार कीमती सामान गायब हो रहा था। शुरुआत में कान का एक ईयररिंग नहीं मिला, लेकिन बाद में घर की सफाई के दौरान सोने की चेन और डायमंड ईयररिंग्स भी गायब होने की जानकारी सामने आई। इसके अलावा महंगी घड़ी, पर्स और कुछ नकदी भी नहीं मिल रही है। सबा के मुताबिक परिवार के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आखिर सामान घर से कैसे और कहां गायब हो रहा है। उनके पति सनी ने भी इस मामले पर चिंता जताई और कहा कि अगर घर में सीसीटीवी कैमरे लगे होते तो शायद पूरे मामले को समझने में मदद मिलती। सबा ने माना कि कीमती गहनों को लॉकर में सुरक्षित नहीं रखना उनकी लापरवाही थी। उन्होंने बताया कि घर में काम करने वाले लोगों पर पहले से भरोसा रहा है, इसलिए उन्हें कभी इस तरह की घटना की आशंका नहीं हुई। परिवार को अब घर से खाने-पीने की कुछ चीजें कम होने का भी पता चला है। सबा ने संकेत दिया है कि मामले की गंभीरता से लेते हुए पुलिस में शिकायत की जा सकती है। वहीं, दूसरी तरफ दीपिका कक्कड़ अपनी बीमारी के बीच फैंस से जुड़ी हुई हैं। हाल ही में अपने वीडियो में फैंस के भावुक संदेश पढ़ते हुए वह रो पड़ीं। दीपिका ने कहा कि लोगों का प्यार उन्हें मुश्किल दौर से लड़ने की ताकत देता है।

'पंचायत-5' में बदलेगा फुलेरा का रंग-ढंग

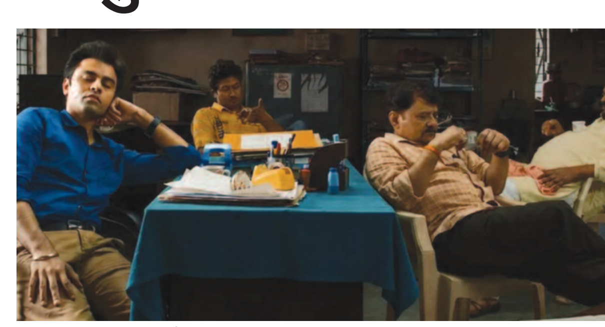

प्रधान जी की हार के बाद आएगा नया ट्विस्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। वेब सीरीज 'पंचायत' ने गांव की सादगी, राजनीति और मजेदार किरदारों से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। इसके चार सीजन दर्शकों को खूब पसंद आए और अब फैंस बेसब्री से पांचवें सीजन का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच 'पंचायत-5' की रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा ने बताया है कि सीजन 5 पर पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जारी है और एडिटिंग पूरी होने की प्रक्रिया में है। हालांकि मेकर्स ने अभी इसकी आधिकारिक रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया है, लेकिन निर्देशक के संकेतों के मुताबिक यह सीरीज अक्टूबर या नवंबर 2026 के आसपास प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो सकती है। 'पंचायत 5' की कहानी चौथे सीजन में हुए पंचायत चुनाव के बाद से आगे बढ़ेगी। चुनाव में प्रधान जी को हार का सामना करना पड़ा है, ऐसे में अब उनकी जिंदगी किस दिशा में जाएगी, यह कहानी का सबसे अहम हिस्सा होगा। नए सीजन में फुलेरा गांव के दूसरे चर्चित किरदारों की जिंदगी में आने वाले बदलावों को भी दिखाया जाएगा। चुनाव खत्म होने के बाद गांव की राजनीति किस करवट बैठेगी और प्रधान जी के सामने कौन-सी नई चुनौतियां आएंगी, यह देखना दिलचस्प होगा। 'पंचायत' की शुरुआत 2020 में हुई थी। जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, नीना गुप्ता, फैसल मलिक, चंदन रॉय और संविका जैसे कलाकारों ने अपने किरदारों से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। अब पांचवां सीजन भी प्राइम वीडियो पर ही आएगा। आधिकारिक रिलीज डेट का इंतजार है, लेकिन अक्टूबर-नवंबर की संभावित टाइमलाइन ने फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है।

यूपी में बाढ़ का कहर, गंगा में समाए मकान,गलियों में नाव

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना, घाघरा और सरयू समेत कई नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद से बलिया और उन्नाव से गोंडा तक बाढ़ ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। नदी की तेज कटान के चलते कई पक्के मकान नदी में समा चुके हैं। जिले के 100 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में बताए जा रहे हैं। ग्रामीण पानी के बीच चारपाई डालकर रहने को मजबूर हैं।

उन्नाव में पांडू नदी का पानी बस्तियों तक पहुंच गया है। गलियों में नाव चल रही हैं। गंगा की कटान से काली मिट्टी-शिवराजपुर मार्ग का हिस्सा बह गया, जिससे आसपास के दर्जनों गांवों का आवागमन

प्रभावित हुआ है। बरेली के आंवला में बाइक सवार तीन लोगों के अरिल नदी में बह जाने की सूचना है। उनकी तलाश में बचाव दल जुटे हैं।

बलिया में गंगा और सरयू का जलस्तर बढ़ने से घरों में पानी घुस गया है। कई परिवार पहली मंजिल और छतों पर रहने को मजबूर हैं। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 48 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। करीब 25 गांवों की 20 हजार आबादी प्रभावित है। बाढ़ के पानी के साथ मगरमच्छ भी रिहाइशी क्षेत्र में पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत है। मौसम विभाग ने मंगलवार को प्रदेश के 49 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज समेत कई शहरों में सुबह बारिश हुई। लखीमपुर

कहीं सड़क बही, कहीं घरों में घुसा पानी

49 जिलों में बारिश का अलर्ट, भर्ती परीक्षा टली

और बरेली में कक्षा आठ तक के विद्यालय बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। बारिश के चलते उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा भी टाल दी गई है। अब यह परीक्षा 14 सितंबर से शुरू होगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले 48 घंटे पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश हो सकती है, इसके बाद बारिश में कमी आने की संभावना है।

सरकारी जमीन पर मस्जिद,एमडीए का अल्टीमेटम

15 दिन में खुद हटाओ निर्माण वरना चलेगा बुलडोजर

यूनिक समय, मुरादाबाद। दिल्ली रोड पर सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद को लेकर मुरादाबाद विकास प्राधिकरण ने सख्ती दिखाई है। पाकबड़ा थाना क्षेत्र में करीब 300 वर्ग मीटर सरकारी जमीन पर बने धार्मिक निर्माण को एमडीए ने नियम विरुद्ध माना है। प्राधिकरण ने मस्जिद के मुतवल्ली को नोटिस जारी कर 15 दिन में निर्माण स्वयं हटाने का निर्देश दिया है। अवधि पूरी होने के बाद निर्माण नहीं हटाया गया तो एमडीए की टीम कार्रवाई करेगी।

एमडीए के नोटिस में जमीन को सरकारी बताते हुए निर्माण को नियमों के अनुरूप नहीं माना गया है।

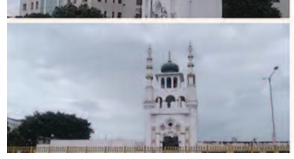

प्राधिकरण के अनुसार सड़क किनारे निर्माण होने से यातायात भी प्रभावित हो रहा है। नोटिस मिलते ही मस्जिद कमेटी में हलचल तेज हो गई। कमेटी से जुड़े लोगों का दावा है कि मस्जिद काफी पुरानी है। सरकारी जमीन पर धार्मिक

सरकारी जमीन पर निर्माण सड़क पर भी असर

पहले भी धार्मिक निर्माण पर चला बुलडोजर

निर्माण को लेकर मुरादाबाद में पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। कांठ रोड पर सिद्ध अस्पताल के पास सड़क किनारे बने मस्जिदनुमा निर्माण को पुलिस की मौजूदगी में हटाया गया था। एमडीए उपाध्यक्ष अनुभव सिंह ने कहा कि सरकारी जमीन पर किसी भी तरह का अवैध निर्माण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मेडिकल कचरे पर डीएम सख्त, अस्पतालों को नोटिस

यूनिक समय, इटावा। इटावा में मेडिकल कचरे और गंदगी के गलत निस्तारण पर जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल ने सख्ती दिखाई। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेवा, जसवंतनगर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि मेडिकल कचरा खुले में फेंकना गंभीर लापरवाही है। इसके नियमित उठान के लिए वाहन, मार्ग और समय निर्धारित किए जाएं। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे और जसवंतनगर-आगरा मार्ग पर कूड़े के ढेर मिलने पर संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर कठोर कार्रवाई होगी।

पुलिस हिरासत में आरोपी ने टॉयलेट क्लीनर पीया

यूनिक समय, मेरठ। खरखौदा में बाइक चोरी के मामले में हिरासत में लिए गए आरोपी ने मंगलवार तड़के पुलिसकर्मी की मौजूदगी में शौचालय में रखा टॉयलेट क्लीनर पी लिया। हालत बिगड़ने पर पुलिस उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंची। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में उसे मेरठ रेफर किया गया। फिलहाल आरोपी का गहन चिकित्सा केंद्र में उपचार चल रहा है और चिकित्सकों ने उसे 72 घंटे निगरानी में रखा है।

पुलिस के अनुसार नयागांव निवासी राजीव की बाइक चोरी होने के बाद जांच शुरू की गई थी।

सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस भोजपुर क्षेत्र के ईसापुर गांव तक पहुंची। ऑनलाइन भुगतान के आधार पर दो युवकों की पहचान हुई।

पूछताछ में दोनों ने बाइक चोरी की बात स्वीकार की। इसके बाद नूरपुर

बाइक चोरी की जांच में तीन आरोपी पकड़े

शौचालय में पहुंचते ही पी लिया क्लीनर

निवासी विपिन का नाम सामने आया। आरोप है कि चोरी की बाइक विपिन ने खरीदी और उसे काट दिया।

तीनों को धीरखेड़ा चौकी लाकर पूछताछ की जा रही थी। मंगलवार सुबह करीब चार बजे विपिन ने शौचालय जाने की बात कही। पुलिसकर्मी उसे वहां लेकर गया। आरोप है कि इसी दौरान उसने शौचालय में रखा टॉयलेट क्लीनर पी लिया। तबीयत बिगड़ते ही उसे पहले एनसीआर मेडिकल कॉलेज और फिर मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस उसकी हालत पर नजर रखे हुए है।

छह लाख के लालच में बहू ने रची थी ससुर की हत्या की साजिश

यूनिक समय, लखनऊ। कानपुर में दवा कारोबारी विनीत मिनोचा की हत्या की साजिश का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, बहू शालू ने पुराने परिचित विशाल को ससुर की हत्या के बदले छह लाख रुपये देने का लालच दिया था। पहले दुर्घटना कराने की बात कही, फिर सोते समय तकिए से मुंह दबाकर हत्या करने की योजना बनाई।

पुलिस पूछताछ में विशाल ने बताया कि उसने दोस्त राजकिशोर को भी 30 हजार रुपये देने का लालच देकर साथ लिया। शालू ने विशाल को गजरा लेकर आने और सुरक्षा कर्मी को अपना नाम

गजरा देने के बहाने घुसे चाकू से हत्या

शिवम बताने को कहा था। 5 सितंबर की रात दोनों अपार्टमेंट पहुंचे। शालू उन्हें कमरे में छिपाकर पति और बेटे के साथ बाहर चली गई। रात करीब 10:58 बजे विनीत घर लौटे और दोनों को देख लिया। इसके बाद आरोपियों ने चाकू से हमला कर उनकी हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पूछताछ में शालू का नाम सामने आने पर उसे भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

श्रेया की हत्या के बाद जंगलों में छिपता रहा विवेक

यूनिक समय, वाराणसी। श्रेया उपाध्याय हत्याकांड के आरोपी विवेक चौबे से पूछताछ में वारदात के बाद उसकी फरारी के कई राज सामने आए हैं। पुलिस के मुताबिक श्रेया की हत्या के बाद विवेक मिर्जापुर-सोनभद्र सीमा के जंगलों में घूमता रहा। पुलिस से बचने के लिए उसने सावन के दौरान कांवड़िया का रूप धारण किया और राहत शिविरों में रातें गुजारीं। चुनार के मंदिरों और मठों में भी उसने शरण ली। पहचान छिपाने के लिए बाल भी मुंडवा लिए थे। सटीक निगरानी के बाद एसओजी और राजातालाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार विवेक और श्रेया के बीच करीब पांच साल से बातचीत थी। शादी तय होने

शादी तय होते ही श्रेया ने बनाई दूरी

के बाद श्रेया ने उससे दूरी बना ली और फोन उठाना भी बंद कर दिया। पुलिस का दावा है कि इसी बात से नाराज विवेक आक्रामक हो गया और दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया।

पुलिस के मुताबिक विवेक ने दोस्त पुनीत मिश्रा को भी पूरी सच्चाई नहीं बताई। उसे 22 लाख रुपये के लालच में हत्या की साजिश में शामिल किया, लेकिन यह नहीं बताया कि निशाना श्रेया होगी। वारदात के बाद पुनीत के घटनास्थल से भागने पर पुलिस को अहम सुराग मिले।

ज्वैलर्स की दुकान चोरी का खुलासा मुठभेड़ में तीन आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के टूंडला में श्री जी ज्वैलर्स की दुकान में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पुराने बाईपास स्थित खाली प्लॉट में बदमाशों के होने की सूचना पर टीम ने घेराबंदी की।

पुलिस को देखते ही आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में सौदागर शेख के पैर में गोली लगी। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने घायल सौदागर के साथ गंगा उर्फ गौरव और अजीत कुमार को भी गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चांदी के बिछुए, पायल, मंगलसूत्र, कंगन, ब्रेसलेट, अंगूठियां, लक्ष्मी-गणेश

चांदी के गहने,नकदी और चोरी के औजार बरामद

की मूर्तियां, सिक्के और अन्य सामान बरामद हुआ। इसके अलावा 10 हजार रुपये नकद, तमंचा, कारतूस और खोखे भी मिले।

पुलिस के मुताबिक, चोरी में इस्तेमाल किए गए ऑक्सीजन सिलेंडर, छोटा गैस सिलेंडर, इलेक्ट्रिक तराजू, सब्बल, छेनी और पेचकस भी बरामद किए गए हैं। ज्वैलर्स की दुकान में 3 जुलाई को चोरी हुई थी। घायल आरोपी के खिलाफ उत्तर प्रदेश समेत महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में चोरी, लूट, डकैती और हथियार संबंधी मुकदमे दर्ज होने का दावा किया गया है।

योगी बोले, पहले निवेश का पर्चा,अब भरोसे का दौर

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की बदली तस्वीर का जिक्र करते हुए पिछली सरकारों पर जमकर निशाना साधा।

राजधानी में आयोजित यूपी टेक्स-2026 के उद्घाटन समारोह में उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में अपराध, वसूली और अव्यवस्था का माहौल था। निवेशक यहां निवेश का पर्चा लेकर आते थे और वसूली की पर्ची लेकर लौटते थे। आज प्रदेश में कानून का राज है और निवेशकों को सुरक्षा का भरोसा मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले 'एक जिला, एक

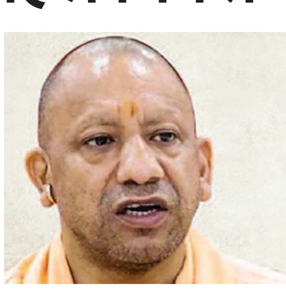

माफिया' जैसी पहचान बन गई थी। गुंडा टैक्स और वसूली का कारोबार फल-फूल रहा था। दंगों के कारण स्कूल, महाविद्यालय, दुकानें और कारखाने तक लंबे समय तक बंद रहते थे। उत्तर प्रदेश का नाम सुनकर लोग किराए का मकान और होटल का कमरा

पहले माफिया का दबदबा, अब कानून का राज

वस्त्र उद्योग को नई ऊंचाई देने का लक्ष्य

देने से भी कतराते थे। उन्होंने कहा कि अब अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। अपराध किया तो जेल या फिर दुनिया से विदाई, यही संदेश है।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास विरासत, हुनर, मानव संसाधन और देश का बड़ा बाजार है। प्रदेश में करीब पांच लाख बुनकर वस्त्र उद्योग से जुड़े हैं और देश के कुल कपड़े का लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है। सरकार का लक्ष्य वस्त्र क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर मजबूत बनाना है। इसके लिए 36 क्षेत्रवार नीतियां लागू हैं और करीब 75 हजार एकड़ का भूमि बैंक उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों के लिए प्रदेश में कहीं भी उद्योग लगाने की राह आसान की गई है। सरकार का जोर केवल उत्पादन बढ़ाने पर नहीं, बल्कि निर्यात और स्थानीय ब्रांड को वैश्विक पहचान दिलाने पर भी है।

दुनिया की नजरें रहेंगी इस बैठक पर

ब्रिक्स समिट से पहले भारत आएंगे पुतिन पीएम मोदी से होगी अहम मुलाकात

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही भारत दौरे पर आने वाले हैं। वह नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी होगी, जिसमें दोनों देशों के बीच संबंधों और आपसी सहयोग से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को भारतीय पत्रकारों के साथ वर्चुअल बातचीत में पुतिन की भारत यात्रा की पुष्टि की। भारत इस साल 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ब्रिक्स समिट की मेजबानी करने जा रहा है। पेस्कोव ने बताया कि राष्ट्रपति पुतिन शुक्रवार यानी 11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। उन्होंने दोनों नेताओं के रिश्तों को बेहद करीबी और व्यावहारिक बताया।

क्रेमलिन प्रवक्ता के मुताबिक मोदी और पुतिन के बीच बातचीत के दौरान द्विपक्षीय संबंधों के संवेदनशील मुद्दों पर भी खुले और रचनात्मक तरीके से चर्चा होती है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मुलाकात दोनों देशों के बीच सहयोग के नए रास्ते खोलने में मदद करेगी। इससे पहले 31 अगस्त को किर्गिस्तान के बिश्केक में एससीओ समिट के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन की मुलाकात हुई थी। पुतिन के भारत दौरे को ब्रिक्स समिट के लिहाज से भी काफी अहम माना जा रहा है। रूस ब्रिक्स के तीन प्रमुख क्षेत्रों नीति एवं सुरक्षा, अर्थव्यवस्था एवं वित्त और सांस्कृतिक एवं मानवीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दे रहा है। पेस्कोव ने कहा कि रूस ब्रिक्स के अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने और नए देशों को समूह के साथ जोड़ने के विचार का समर्थन करता है।

भारत ने 1 जनवरी 2026 को ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली थी। यह चौथी बार है जब भारत इस महत्वपूर्ण समूह की अध्यक्षता कर रहा है।

इस साल ब्रिक्स की स्थापना के 20 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं, जिससे 2026 का शिखर सम्मेलन और खास बन गया है। नई दिल्ली में होने वाली इस बैठक में प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों के बीच सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा होने की उम्मीद है। ब्रिक्स की शुरुआत 2006 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन के साथ ब्रिक समूह के रूप में हुई थी। 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में इसका पहला शिखर सम्मेलन हुआ। इसके बाद 2011 में दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने के साथ इसका नाम ब्रिक्स हो गया। अब पुतिन के भारत दौरे और मोदी के साथ उनकी प्रस्तावित द्विपक्षीय बैठक पर दुनियाभर की नजरें टिकी हैं।

93वीं जयंती पर भावुक कर गया आशा भोसले का आखिरी गाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत की महान गायिका स्व. आशा भोसले की 93वीं जयंती पर उनके चाहने वालों को एक बेहद भावुक तोहफा मिला है। आशा ताई का आखिरी रिकॉर्ड किया गया गाना 'ऐ मेरी जिंदगी, तू छुपी है कहां' आधिकारिक तौर पर रिलीज कर दिया गया है। मंगलवार को मुंबई में आयोजित एक खास म्यूजिक लॉन्च इवेंट में इस गीत को जारी किया गया। यह गाना आगामी फिल्म 'ओम का हरि' के म्यूजिक एल्बम का अहम हिस्सा है और इसके साथ ही संगीत प्रेमियों को एक बार फिर आशा भोसले की सुरीली आवाज सुनने का मौका मिलेगा।

ऐ मेरी जिंदगी, तू छुपी है कहां' सुनकर याद आएंगी आशा ताई

फिल्म मेकर्स के मुताबिक आशा भोसले ने इस गीत को साल 2023 में करीब 90 वर्ष की उम्र में रिकॉर्ड किया था। किसी फिल्म के लिए रिकॉर्ड किया गया यह उनका अंतिम गीत बताया जा रहा है। म्यूजिक लॉन्च के दौरान फिल्म की पूरी स्टार कास्ट और यूनिट ने आशा ताई को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उनकी रिकॉर्डिंग के दौरान का एक बिहाइंड द सीन्स वीडियो भी दिखाया गया, जिसमें उनकी संगीत के प्रति वही खास लगन नजर आई, जिसके लिए वह दशकों से जानी जाती रही हैं।

बीटीएस वीडियो में आशा भोसले ने बताया था कि जब निर्देशक ने उन्हें यह गाना भेजा, तो उन्हें गीत इतना पसंद आया कि उन्होंने बिना ज्यादा सोचे इसे गाने के लिए हामी भर दी। उन्होंने यह भी कहा था कि वह इस गीत को बार-बार गुनगुनाया करती थीं। फिल्म के म्यूजिक एल्बम में अमित कुमार और परेश पाहुजा की आवाज भी सुनाई देगी। वहीं रघुबीर यादव ने फिल्म के दो गानों को अपनी आवाज दी है, जिन्हें लॉन्च इवेंट में लाइव भी प्रस्तुत किया गया।

'ओम का हरि' में रघुबीर यादव, सोनी राजदान, अंशुमन झा और आयशा कपूर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी हरि प्रसाद नाम के बुजुर्ग व्यक्ति की है, जो जीवन के अंतिम पड़ाव में अपने बेटे के साथ वाराणसी की यात्रा पर निकलता है। फिल्म 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शेर का ऑपरेशन करने वाला अभी पैदा नहीं हुआ

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में शिवसेना यूटीबी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने ऑपरेशन टाइगर समेत कई मुद्दों को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा।

ऑपरेशन टाइगर पर बयान देते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि शेर का ऑपरेशन करने वाला अभी कोई पैदा नहीं हुआ है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब हम शेर के बाघ निकालेंगे, तो ये लोग भाग जाएंगे।

नवरात्रि के दौरान गरबा में मुसलमानों की एंट्री पर रोक और हिंदुओं के टीका लगाकर आने की विहिप की मांग पर भी उद्धव ठाकरे ने सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि लोग पहले से त्योहार मनाते आ रहे हैं और अब नई-नई मांगें की जा रही हैं। उद्धव ने सरकार पर त्योहारों के दौरान माहौल बिगाड़ने की आशंका भी जताई और मुंबई में हुई घटनाओं को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कारों को दिल्ली से गुजरात शिफ्ट करने पर भी सवाल किया और पूछा कि मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता क्या देश के शहर नहीं हैं? इसके अलावा यूटीबी पार्षदों पर कार्रवाई और दिल्ली में इमारत गिरने की घटना को लेकर भी उन्होंने सरकार को घेरा।

उद्धव ठाकरे का सरकार पर हमला

राजस्थान निकाय चुनाव से पहले बीजेपी का बड़ा एक्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बागी नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। पार्टी ने अनुशासनहीनता के आरोप में 41 नेताओं और कार्यकर्ताओं को 6 साल के लिए प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। इन सभी पर बीजेपी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने या उनके समर्थन में प्रचार करने का आरोप है। बीजेपी के मुताबिक, कार्रवाई की जद में आए ज्यादातर कार्यकर्ता पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे हैं। वहीं, कुछ पदाधिकारी अपनी पत्नी के निर्दलीय उम्मीदवार बनने के बाद उनके समर्थन में प्रचार करते पाए गए। पार्टी ने इसे स्पष्ट तौर पर अनुशासनहीनता माना है।

41 बागियों पर गिरी गाज, 6 साल के लिए पार्टी से बाहर

राजस्थान में नगर निकाय चुनाव दो चरणों में 9 और 11 सितंबर को होंगे, जबकि नतीजे 14 सितंबर को घोषित किए जाएंगे। पहले चरण में 162 निकायों में मतदान होगा, जिसमें 4 नगर निगम, 27 नगर परिषद और 131 नगरपालिकाएं शामिल हैं। कुल 5,393 पार्षद पदों के लिए 20,623 उम्मीदवार मैदान में हैं।

घर के बाहर खेल रही थी 2 साल की मासूम, तभी तेज रफ्तार कार बनी काल

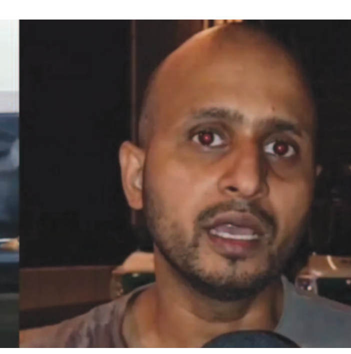

मौके पर ही बच्ची की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुरुग्राम के सेक्टर-5 इलाके से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। यहां घर के बाहर अपने भाई के साथ खेल रही महज दो साल की मासूम बच्ची को एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार ने कुचल दिया। हादसा इतना भयानक था कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उसके पास मौजूद भाई इस दर्दनाक दुर्घटना में बाल-बाल बच गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, रोज की तरह दो साल की बच्ची अपने भाई के साथ घर के बाहर खेल रही थी। दोनों बच्चे खेल में व्यस्त थे, तभी अचानक एक बेकाबू कार वहां पहुंची। जब तक आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, कार बच्ची को अपनी चपेट में ले चुकी थी। कार की चपेट में आने से बच्ची को गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस घटना में उसके भाई को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और वह बाल-बाल बच गया। बताया जा रहा है कि हादसे की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में कार को तेज रफ्तार में आते हुए देखा जा सकता है। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज तथा गाड़ी के नंबर के आधार पर आरोपी चालक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। उधर, मासूम की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और इस हादसे ने इलाके में सुरक्षा को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

शेख हसीना का पैतृक घर और आभूषण बेचेगी बांग्लादेश सरकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की संपत्तियों को लेकर सरकार अब कानूनी प्रक्रिया को और स्पष्ट करने की तैयारी में है। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के सरकारी वकीलों के मुताबिक दोषी ठहराए गए लोगों की संपत्तियों को जब्त करने, उनकी नीलामी या बिक्री करने और उससे मिलने वाली रकम पीड़ितों तथा शहीदों के परिवारों को मुआवजे के तौर पर देने की प्रक्रिया को नियमों में स्पष्ट किया जाएगा। इसी के बाद शेख हसीना की व्यक्तिगत संपत्तियों पर कार्रवाई का रास्ता भी साफ हो सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि उनका चर्चित पैतृक घर सीधे बेच दिया जाएगा, क्योंकि संपत्ति के मालिकाना हक और कानूनी स्थिति की जांच जरूरी होगी।

सरकारी वकील मोहम्मद अमीनुल इस्लाम ने बताया कि मौजूदा कानून में संपत्ति जब्त करने, जुर्माना लगाने और पीड़ितों को मुआवजा देने के प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन जब्त संपत्ति को किस सरकारी व्यवस्था के जरिए बेचा या नीलाम किया जाएगा, इसे लेकर नियम पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। प्रस्तावित बदलाव इसी प्रक्रिया को कानूनी आधार देने के लिए किए जा रहे हैं। बताया गया है कि नए नियम पहले दिए जा चुके फैसलों पर भी लागू किए जा सकते हैं। शेख हसीना ने 2024 के राष्ट्रीय संसद चुनाव के लिए दाखिल हलफनामे में अपने नाम पर करीब 43.4 करोड़ टका की चल और अचल संपत्ति घोषित की थी। इसमें बैंक जमा, वाहन, सोने के आभूषण, फर्नीचर और जमीन शामिल हैं। ऐसे में अगर इनमें से किसी संपत्ति पर अदालत के आदेश के तहत जब्ती लागू होती है, तो उसकी नीलामी या बिक्री संभव हो सकती है।

सबसे बड़ा सवाल धनमंडी स्थित मकान नंबर 32 को लेकर है, जिसे शेख हसीना का पैतृक घर माना जाता है। बताया जाता है कि यह मकान उनकी निजी संपत्ति नहीं, बल्कि शेख मुजीबुर रहमान मेमोरियल ट्रस्ट के नाम पर पंजीकृत है। इसलिए, इसे शेख हसीना की व्यक्तिगत संपत्ति मानकर सीधे जब्त करना आसान नहीं होगा। इसी तरह सुधा सदन बच्चों के नाम पर बताया गया है, जबकि गाजीपुर का गार्डन हाउस परिवार के सदस्यों को विरासत में मिला है।

वहीं, भ्रष्टाचार निरोधक आयोग की जांच में शेख हसीना के नाम पर घोषित संपत्तियों के अलावा अतिरिक्त जमीन और अन्य अचल संपत्तियों का भी दावा किया गया है। यदि जांच में यह साबित होता है कि कोई संपत्ति वास्तव में शेख हसीना की है या अपराध की कमाई से खरीदी गई है, तो उस पर कार्रवाई हो सकती है। लेकिन परिवार के वयस्क सदस्यों या ट्रस्ट की संपत्ति को केवल रिश्ते के आधार पर जब्त नहीं किया जा सकता।

परिवार संग वृंदावन पहुंचे चिराग बांके बिहारी के दरबार में टेका माथा

मां-बहन संग गर्भगृह में की पूजा-अर्चना

सेवायत ने मोर पंख प्रसाद भेंट किया

बांकेबिहारी मंदिर में पूजा करते केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान।

यूनिक समय, मथुरा। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान सोमवार देर शाम अचानक परिवार के साथ वृंदावन पहुंचे। उनके दौरे को गोपनीय रखा गया था। स्थानीय प्रशासन को भी उनके आगमन की जानकारी कुछ समय पहले ही मिली। सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस उन्हें सीधे श्री बांके बिहारी मंदिर लेकर पहुंची। मंदिर पहुंचने के बाद चिराग पासवान अपनी मां रीना पासवान और बहन आशा पासवान के साथ गर्भगृह में पहुंचे। तीनों ने भगवान बांके बिहारी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर के सेवायत मयंक गोस्वामी ने पूजा संपन्न कराई। परिवार ने करीब 20 मिनट मंदिर परिसर में बिताए। इस दौरान चिराग पासवान और उनके परिजन भक्ति भाव में नजर आए। दर्शन के दौरान चिराग पासवान ने मंदिर की देहरी पर इत्र अर्पित किया।

पूजा-अर्चना के बाद सेवायत मयंक गोस्वामी ने उन्हें भगवान का प्रसादी अंगवस्त्र, प्रसाद और मोर पंख भेंट किया। वहीं आशीष गोस्वामी ने भगवान का प्रसादी बीड़ा प्रदान किया। दर्शन के बाद चिराग पासवान कुछ देर मंदिर परिसर में रहे और फिर परिवार के साथ दिल्ली के लिए रवाना हो गए। अचानक हुए इस दौरे की जानकारी श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भी बाद में हुई।

पिरसुआ में मिले शव प्रकरण में ग्रामीण मिले एसएसपी से

हत्या का मुकदमा दर्ज करने की लगाई गुहार एसएसपी ने जांच एसएचो राया को सौंपी

देवेंद्र का फाइल फोटो।

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के पिरसुआ के समीप मिले देवेंद्र को शव के मामले पुलिस द्वारा हत्या का मुकदमा दर्ज न किए जाने को लेकर ग्रामीणों ने एसएसपी से मुलाकात कर हत्या का मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की।

नगला दुर्जिया पोस्ट मिढ़ावली जिला हाथरस निवासी मृतक देवेंद्र के भाई प्रशांत, परिजन और काफी संख्या में ग्रामीणों के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि देवेंद्र को उसके बुआ के लड़के राजेंद्र ने 28 अगस्त को फोन करके बुलाया था कि उससे कुछ बात करनी है। देवेंद्र अपनी स्पलेंडर बाइक से राजेंद्र के पास नगला हरदयाल पहुंचा। इसके बाद वह जब शाम तक घर नहीं लौटा तो नौ बजे भाई को कॉल की तो उसने बताया कि10 बजे तक घर आ जाएगा। साढ़े दस बजे कॉल करने पर उसका फोन नहीं उठा। बाद में राजेंद्र को फोन किया गया तो उसका भी फोन नहीं उठा। 29 तारीख को फोन किया तो पुलिस ने बताया कि तुम्हारे भाई का मर्डर हो गया है। इस मामले में राजेंद्र का कहना है कि नगला हरदयाल पहुंचकर जब सीसी टीवी कैमरों की फुटेज देखी गई तो उसमें पता चला कि राजेंद्र के साथ रोहताश निवासी नानकपुर नौहझील और फोर व्हीलर गाड़ी में बैठे तीन अज्ञात लोग दिखाई दे रहे हैं। इन लोगों ने उसके भाई की हत्या की है। एसएसपी ने इस मामले की जांच एसओ राया को निष्पक्ष करके कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

मीठा पानी बंद, फरह में बूंद-बूंद को तरसे नागरिक

पानी की किल्लत से हाहाकार मचा, टैंकरों पर निर्भर हो गए नागरिक

यूनिक समय, फरह। गर्मी के मौसम में कस्बा के नागरिक पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। नगर पंचायत की ओर से की जाने वाली मीठे पानी की आपूर्ति लंबे समय से बाधित है। स्थिति यह है कि पीने के पानी के लिए नागरिक टैंकरों पर निर्भर हैं, जबकि घरेलू जरूरतें पूरी करने के लिए आसपास के घरों से सबमर्सिबल का पानी लेने को मजबूर हैं। कस्बे में नगर पंचायत की ओर से सुबह और दोपहर दो बार पेयजल आपूर्ति की जाती है। कभी खारा तो कभी मीठा पानी नलों के माध्यम से पहुंचता है। अधिकांश परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतें इसी सरकारी आपूर्ति से पूरी होती हैं। लेकिन पिछले कई महीनों से लोगों को मीठे पानी के बजाय खारा पानी मिल रहा है। वहीं, दोपहर करीब तीन बजे होने वाली पेयजल आपूर्ति अब पूरी तरह ठप पड़ी है। गर्मी में सरकारी आपूर्ति बंद होने से नागरिकों की परेशानी और बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि पहले ही पीने के लिए मीठे पानी की व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा था, अब घरेलू कार्यों के लिए भी पानी जुटाने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। नागरिकों ने नगर पंचायत से जल्द पेयजल आपूर्ति सुचारू कराने और मीठे पानी की नियमित व्यवस्था करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि गर्मी के बीच पानी जैसी मूलभूत जरूरत के लिए उन्हें परेशान नहीं होना चाहिए।

संभव जनसुनवाई में शिकायतों के निस्तारण पर जोर

15 शिकायतें पहुंचीं, दो का मौके पर किया निस्तारण

यूनिक समय, मथुरा। जनशिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले 'संभव' संतुष्टि और समृद्धि कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नगर निगम के विभिन्न कार्यालयों में जनसुनवाई की गई। भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, वृंदावन जोन में सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा और सिटी जोन के जनरल गंज कार्यालय में अवर अभियंता अजय कुमार ने लोगों की शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। अपर नगर आयुक्त ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई के निर्देश दिए। भूतेश्वर जोन में कुल सात शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें दो अतिक्रमण, दो प्रकाश व्यवस्था, एक सफाई, एक जलकल और एक निर्माण से संबंधित थी। इनमें निर्माण और प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी एक-एक शिकायत का निस्तारण कर दिया गया। वृंदावन जोन में आठ शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें चार जलकल विभाग से संबंधित थीं, जिनमें सीवर सफाई और पेयजल की समस्याएं शामिल रहीं। इसके अलावा दो निर्माण और दो नजूल संबंधी शिकायतें आईं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समय के भीतर सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह, महाप्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लोगों ने महिला को ट्रेन से कटने से बचाया

राया के कटरा बाजार में ट्रेन से कटकर करना चाहती थी आत्महत्या

यूनिक समय, मथुरा। राया के कटरा बाजार रेलवे फाटक के समीप ट्रेन से कटने के लिए बैठी एक महिला को लोगों ने किसी तरह से समझा- बुझा कर आत्म हत्या करने से रोक लिया। लोगों ने उसके पति को फोन कर बुला लिया।बताया गया कि दिल्ली में रहने वाली एक महिला का नंदोई राया में रहता है। महिला ने उन्हें तीस हजार रुपये उधार दिए थे। महिला और उसका पति दिल्ली से अपनी उधारी की रकम मांगने के लिए राया आए थे। रुपये न दिए जाने से महिला इतनी अधिक परेशान हुई कि उसने ट्रेन से कटने का निर्णय ले लिया।

महिला कटरा बाजार स्थित मथुरा-कासगंज रेलवे ट्रेक पर फाटक के समीप बैठ गई। स्थानीय लोगों ने महिला को इस तरह बैठे देखा तो उन्होंने इसका कारण पूछा। महिला ने बताया कि वह ट्रेन से कट कर आत्महत्या करना चाहती है। इस पर लोगों ने उसे काफी समझाया। इसके साथ ही महिला से नंबर लेकर उसके पति को फोन कर बुला लिया। काफी प्रयास के बाद महिला को लोगों ने पति के साथ भेज दिया। इस तरह लोगों की सतर्कता के कारण एक महिला की जान बच गई।

21वां श्रीमद्भागवत जयंती समारोह 20 सितंबर को

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीमद्भागवत कथा आयोजन समिति विद्वत् समाज ब्रजमंडल और डॉ. मनोज मोहन शास्त्री फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 21वां श्रीमद्भागवत जयंती समारोह 20 सितंबर को श्रीनाथ शास्त्री पुराणाचार्य मार्ग स्थित श्रीनाथ धाम में आयोजित किया जाएगा। समारोह की तैयारियों को लेकर समिति और फाउंडेशन की संयुक्त बैठक में रूपरेखा तय की गई। फाउंडेशन अध्यक्ष पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री ने बताया कि प्रातः 10 बजे वेदज्ञ विद्वानों द्वारा सस्वर मंत्रोच्चार के बीच वैदिक विधि-विधान से श्रीमद्भागवत महापुराण का पूजन किया जाएगा। इसके बाद 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में श्रीमद्भागवत की प्रासंगिकता' विषय पर विद्वत् संगोष्ठी आयोजित होगी और विद्वानों का सम्मान किया जाएगा।

राधाकुंड में स्नान करते श्रद्धालु का बैग चोरी

यूनिक समय, मथुरा। कुंड पर स्नान करने वालों के कपड़े बैग आदि चोरी करने वाला गैंग सक्रिय है। राधा कुंड में स्नान के दौरान एक श्रद्धालु का बैग चोरी हो गया। राधाकुंड पर स्नान करने के दौरान वहां सुरक्षा न होने के कारण स्नान करने वाले लोगों का सामान चोरी करने वाला गैंग सक्रिय है। मंगलवार को भी वहां स्नान करने के दौरान चोरों ने एक श्रद्धालु का बैग पार कर दिया। बैग में तीस हजार रुपये की नकदी और मोबाइल आदि सामान था। गौरतलब है इस घटना से पूर्व भी कुंड से सामान चोरी करने वाले एक व्यक्ति को सामान चोरी करते लोगों ने पकड़ लिया था। इसके बाद भी यहां सुरक्षा का प्रबंध न होने के कारण चोर गैंग घटनाओं को अंजाम दे रहा है।

हादसे में घायल युवक को समय पर इलाज न मिलने का आरोप

अस्पताल संचालक पर कार्रवाई की मांग को लेकर डीएम कार्यालय पर नारेबाजी करते युवक।

उत्कर्ष हॉस्पिटल की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

यूनिक समय, मथुरा। सड़क हादसे में गंभीर घायल युवक को समय पर उपचार नहीं मिलने का मामला सामने आया है। मंगलवार को जयसिंह पुरा के युवकों ने अस्पताल संचालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

ज्ञापन देकर लापरवाही अस्पताल संचालक पर कार्रवाई की मांग उठाई। जयसिंह पुरा के चंद्रशेखर, अर्पित और विजय आदि ने डीएम को ज्ञापन दिया। विशाल के उपचार में लापरवाही पर उत्कर्ष हॉस्पिटल के स्टाफ पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं।

डीएम को दिए गए ज्ञापन के अनुसार, 27 अगस्त की रात गायत्री तपोभूमि के सामने ऑटो की टक्कर से विशाल गंभीर घायल हो गया था। परिजन उसे ई-रिक्शा से उत्कर्ष हॉस्पिटल ले गए। आरोप है कि गंभीर हालत के बावजूद अस्पताल स्टाफ ने स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं कराया, बाद में घायल को अस्पताल से बाहर कर दिया। अस्पताल में चिकित्सक उपलब्ध नहीं होने की बात भी कही गई। इसके बाद घायल को एक अन्य चिकित्सालय ले जाया गया, जहां इमरजेंसी में ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं होने की बात कही गई।

परिजन उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल ले जाने को मजबूर हुए। करीब आठ किलोमीटर दूर जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने विशाल को मृत घोषित कर दिया। डीएम को ज्ञापन देने वालों ने दोनों अस्पतालों की भूमिका की जांच और दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। अस्पतालों की मान्यता-पंजीकरण निरस्त करने, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की गई है।

बेरी गांव के विद्यालय में रोपे छह हजार पौधे

पौधारोपण कार्यक्रम में अतिथियों ने दिया संरक्षण का संदेश

बच्चों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने लिया पौधों की रक्षा का संकल्प

कार्यक्रम में पौधे बांटते विधायक मेघश्याम सिंह, महंत रामदास और निदेशक सोनपाल।

यूनिक समय, फरह। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेरी गांव स्थित एसएमयूडी इंटरनेशनल स्कूल परिसर में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के दौरान एक साथ छह हजार पौधे रोपे गए। पौधारोपण से विद्यालय परिसर हरियाली से भर उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक केपी सिंह ने किया। उन्होंने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि वृंदावन वंशीवट के बड़े महंत रामदास ने कहा कि एक पौधा लगाना सौ यज्ञ के समान है। वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए।

गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह ने कहा कि वृक्षों के बिना जीवन अधूरा है। पेड़ हमें शुद्ध वायु देने के साथ प्रदूषण से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने का आह्वान किया। दीनदयाल धाम के निदेशक सोनपाल सिंह ने कहा कि पौधों की देखभाल बच्चों की तरह करनी चाहिए। कार्यक्रम में आम, नीम, पीपल, बरगद, गुलमोहर सहित औषधीय और फलदार पौधे लगाए गए। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया और पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस दौरान शिक्षक, ग्रामीण और अन्य लोग मौजूद रहे।